आज का विचार
खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | बुधवार, 18 फरवरी, 2026 | वर्ष 24, अंक 41, मूल्यः 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

सामाजिक समरसता भाषण से नहीं आचरण व व्यवहार से आएगी : डॉ मोहन भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक बोले- सभी हिन्दुओं के लिए खुले हों मन्दिर, कुआं और श्मशान

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा है कि मन्दिर कुआं और श्मशान सभी हिन्दुओं के लिए खुले होने चाहिए और उनमें कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। सरसंघचालक ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर प्रयास होने चाहिए। संघ सारे हिन्दू समाज को एक मानता है। इसलिए हमें व्यक्तिगत स्तर पर और पारिवारिक स्तर पर आपसी मेलजोल बढ़ाना चाहिए। सामाजिक समरसता भाषण से नहीं बल्कि आचरण व व्यवहार करने से आएगी। संघ के कुटुम्ब में जात-पात नहीं है। ऐसा ही समाज में करना होगा। सरसंघचालक ने कहा कि संघ पुस्तकें पढ़ने की अपेक्षा स्वयंसेवक को देखने से अधिक समझ में आता है। सरसंघचालक निराला नगर स्थित सरस्वती विद्या मन्दिर के माधव सभागार में ॽकार्यकर्ता कुटुम्ब मिलनॽ कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

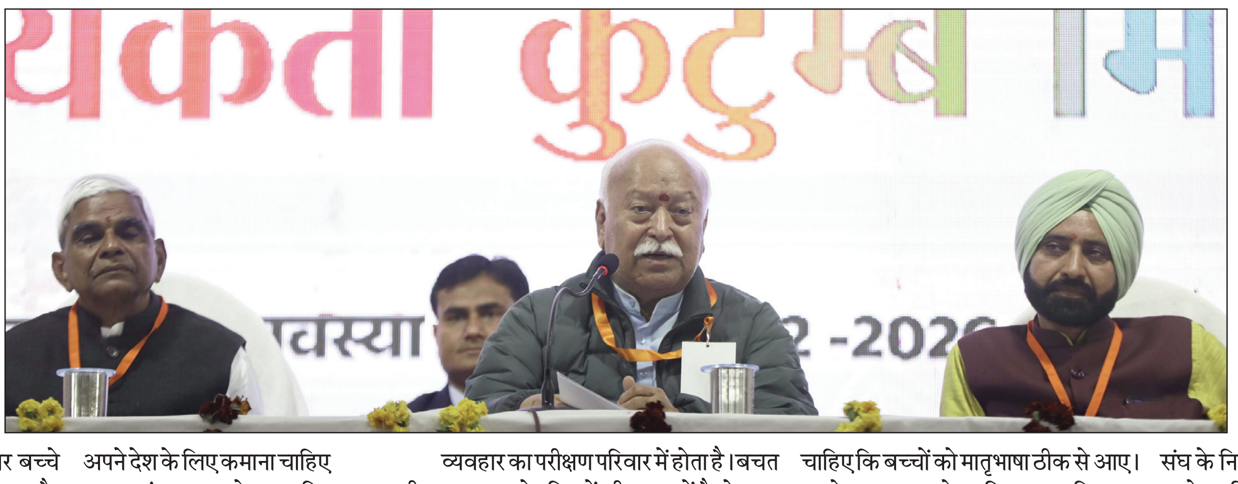

उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि हमें अपने बच्चों को बताना होगा कि करियर क्या है? पेट भरना, ज्यादा कमाना, उपभोग करना करियर नहीं है। करियर कमाने से ज्यादा बाँटने में है। बच्चों को ऐसी शिक्षा दें जो अमीर होकर दान दें, दूसरों के लिए जीना सीखें। घरों में ऐसे संस्कार देने होंगे जिनके अनुसार बच्चे यह समझें कि हमारा हित ही देश के साथ है। मेरे लिए मेरा देश ही पहले है। विद्या और धन अपने देश के लिए कमाना चाहिए

सरसंघचालक ने कहा कि समाज की इकाई व्यक्ति नहीं परिवार है। सामाजिक व्यवहार का परीक्षण परिवार में होता है। बचत करना हमारे परिवारों की आदत में है। देश का धन हमारे घरों में रहता है। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को मातृभाषा ठीक से आए। हमारे अन्दर देशभक्ति, प्रमाणिकता, अनुशासन और कुटुम्ब गौरव का भाव होना चाहिए।

डॉ मोहन भागवत ने कहा कि 100 से 70 की संख्या में कुटुम्ब मिलन बस्ती और शाखा स्तर पर होना चाहिए। हमें अभाव में नहीं रहना है लेकिन किसी के प्रभाव में भी नहीं आना है। जैसा संघ है वैसा ही हमारा जीवन होना चाहिए। पंच परिवर्तन कार्यक्रमों में मातृशक्ति की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है।

सरसंचालक ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि हिन्दुस्थान हिन्दू राष्ट्र है, हम सभी हिन्दू अपने सहोदर हैं। समाज में जो भी वर्ग संघ के निकट नहीं है, संघ कार्यकताओं को उनके निकट जाना चाहिए। उनसे आत्मीयतापूर्ण सम्बन्ध विकसित करने चाहिए। वह सम्बन्ध चौराहे से शुरू होकर कुटुम्ब तक विस्तृत हों। सब अपने हैं, हमें यह मानकर व्यवहार करना है।

सरसंघचालक ने कहा कि हम तकनीक को नहीं रोक सकते लेकिन इसका उपयोग अनुशासन में रहकर हो। कितने समय तक क्या देखना है यह निर्धारित होना चाहिए। विज्ञान एआई, टीवी, मोबाइल और फिल्मों की हानियाँ भी बताता है। नई पीढ़ी को यह सब बताना चाहिए।

सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज भारतीय ज्ञान परम्परा को सभी जगह माना जाता है। यह विषय हमें अपने बच्चों को बताना चाहिए। तब उन्हें समझ में आएगा कि हम क्या हैं। उन्होंने आगे कहा कि संघ चिरतरुण संगठन है और भारत के सबसे अधिक युवा संघ के पास हैं।

कर्नाटक में टाटा-एयरबस की एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन का उद्घाटन

रक्षा मंत्री ने प्रोजेक्ट में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश होने की उम्मीद जताई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कर्नाटक के वेमगल में टाटा-एयरबस के एच-125 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर फाइनल असेंबली का मुंबई से वर्चुअली उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन भी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश होने की उम्मीद है। इससे हमारी कुशल और मेहनती युवा पीढ़ी के लिए सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के मौके पैदा होंगे।

फ्रांसीसी रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन आज 6वीं भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा वार्ता के लिए बेंगलुरु पहुंचीं। वार्ता में रक्षा सहयोग समझौता अगले दस साल के लिए नवीनीकरण करने और हैमर मिसाइल बनाने को लेकर संयुक्त उपक्रम के लिए समझौता करने पर फोकस होगा। इससे पहले राजनाथ सिंह के साथ फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन कर्नाटक के वेमगल में एयरबस एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भी मौजूद थे।

उद्घाटन समारोह में राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले भारतीय रक्षा उत्पादन कई वजहों से ज्यादातर पब्लिक सेक्टर पर आधारित था। इस वजह से कुल रक्षा उत्पादन और निर्यात में निजी क्षेत्र का योगदान उतना नहीं था, जितना होना चाहिए था। अब हमारा रक्षा निर्यात कई गुना बढ़ गया है, जिससे भारत दुनिया के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल हो गया है। इस रफ्तार ने लघु उद्योगों और सहायक क्षेत्र को भी बहुत बढ़ावा दिया है। अभी बहुत सारी विदेशी कंपनियां भारतीय लघु उद्योगों से कई उपकरण लेती हैं। हम कंपनियों को अच्छे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के जरिए इस साझेदारी को और मजबूत करने और दूसरे देशों की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए बुलाते हैं।

उन्होंने कहा कि यह 'मेक इन इंडिया' और एयरोस्पेस क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं की दिशा में एक बड़ा कदम है। ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों का कॉर्पोरेटाइजेशन, लिबरलाइज्ड इन्वेस्टमेंट स्कीम, डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने जैसे कई सुधारों और ऐसे कई कदमों की वजह से आज देश के कुल डिफेंस प्रोडक्शन में प्राइवेट सेक्टर का हिस्सा लगभग एक चौथाई हो गया है।

उन्होंने कहा कि हमारा फोकस छोटे और मीडियम इंडस्ट्री को सपोर्ट करना और खासकर स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करना भी रहा है। कुल मिलाकर हमारा फोकस एक होलिस्टिक इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट पर रहा है, जो न सिर्फ हमारी घरेलू डिमांड को पूरा करता है, बल्कि दूसरे देशों का भी ध्यान रखता है।

डीपफेक पर सख्त नियम जरूरी: वैष्णव

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि डीपफेक जैसी तकनीक के संदर्भ में सख्त नियम बनाना बेहद जरूरी है, ताकि बच्चों और समाज को इसके खतरों से बचाया जा सके। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक ऐसा साधन है, जिसका उपयोग हर व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की चुनौतियों को हल करने और समाज की जरूरतों के अनुसार समाधान बनाने में कर सकता है। अश्विनी वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में वाईयूवीएआई तकनीकी नवाचार प्रतियोगिता (हैकाथॉन) में भाग लेने वाले तीन हजार से अधिक छात्रों से बातचीत की। देशभर से आए छात्रों ने स्थानीय भाषाओं और विभिन्न क्षेत्रों पर आधारित एआई समाधान प्रस्तुत किए। वैष्णव ने इसे जमीनी स्तर पर नवाचार और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन ने वैश्विक स्तर पर बड़ी दिलचस्पी पैदा की है। अगले कुछ सालों में लगभग 17 अरब डॉलर की उद्यम पूंजी निवेश प्रतिबद्धता और करीब 200 अरब डॉलर का बुनियादी ढांचे में निवेश आने की उम्मीद है। यह भारत के एआई तंत्र में दुनिया की गहरी रुचि को दशार्ता है। यह गति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाए गए दूरदर्शी ढांचे के कारण संभव हुई है। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन आयोजित करना इस बात का प्रमाण है कि देश उभरती प्रौद्योगिकियों में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी कंपनी हो, उसे भारत के संविधान और कानूनी ढांचे के भीतर काम करना होगा। किसी भी कंपनी को उस देश के सांस्कृतिक संदर्भ को समझना जरूरी है, जिसमें वह काम कर रही है। क्योंकि, जो चीज एक देश में सामान्य है, वह दूसरे देश में प्रतिबंधित हो सकती है। इसी कारण कंपनियों को उस देश की संस्कृति और सामाजिक मान्यताओं का सम्मान करते हुए काम करना चाहिए।

वैष्णव ने कहा कि यह समस्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है और समाज तथा बच्चों को इससे बचाना जरूरी है। सरकार ने उद्योग जगत के साथ बातचीत शुरू की है कि मौजूदा कदमों से आगे और किस तरह के नियम बनाए जाएं। संसद की सूचना प्रौद्योगिकी समिति ने भी इस पर अध्ययन कर सुझाव दिए हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

ढाका। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को यहां बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बांग्लादेश पहुंचे बिरला ने शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनकी पत्नी से मुलाकात भी की। इस दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी मौजूद रहे। बिरला ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि उन्हें ढाका में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में बनी नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर खुशी हुई। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश के लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में सहयोग देने के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए दुनिया के कई देशों के नेता भी ढाका पहुंचे। मुख्य सलाहकार यूनुस के न्योते पर मालदीव के राष्ट्रपति मुहम्मद मुइज्जू, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, श्रीलंका

भारत ने 2015 में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से डिजिटल आधारशिला रखी: जेपी नड्डा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा पर निर्भर करती है। इस बात को पहले ही पहचानते हुए भारत ने लगभग एक दशक पहले ही डिजिटल नींव रखना शुरू कर दिया था। 2015 में, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने भारत को एक डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम शुरू किया। मंगलवार को भारत मंडपम में चल रहे

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में स्वास्थ्य क्षेत्र के सही और बोध पहल की शुरूआत के मौके पर जेपी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 में एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की परिकल्पना की गई थी। इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए सरकार ने स्वास्थ्य सेवा के लिए एक सशक्त डिजिटल सार्वजनिक ढांचा स्थापित करने के लिए 2020 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का शुभारंभ किया।

प्रगति पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि निरंतर प्रयासों से स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण हुआ है। विभिन्न प्लेटफार्मों पर अंतरसंचालनीय प्रणालियां सक्षम की गई हैं, और नागरिकों को सशक्त बनाने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु बड़े पैमाने पर, सहमति-आधारित स्वास्थ्य डेटा ढांचे विकसित किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित एआई पहल (सही) के शुभारंभ का उल्लेख करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि यह सही भारत को नैतिक, पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित तरीके से एआई का लाभ उठाने में मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि एआई मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और गुणवत्तापूर्ण डेटा पर आधारित होता है।

अमित शाह ने गांधीनगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी (हि.स.)
गांधीनगर

गांधीनगर के सेक्टर-21 स्थित महाराष्ट्र भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को साहस, रणनीति और ह्यस्वराजह्ल के संकल्प की निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की शौर्यगाथा और सुशासन के आदर्श आज भी समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं।

उन्होंने शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि जब देश का बड़ा हिस्सा गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब मात्र 16 वर्ष की आयु में शिवाजी महाराज ने रायरेश्वर महादेव मंदिर में ह्यहिंदवी स्वराजह्ल की स्थापना का संकल्प लिया था। माता जीजाबाई के संस्कार और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने स्वतंत्रता और स्वाभिमान की नई राह दिखाई।

अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज ने मंदिरों की रक्षा और पुनर्स्थापना का जो मार्ग दिखाया, उसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और सोमनाथ मंदिर सहित कई धार्मिक स्थलों का विकास किया गया है, जिससे सनातन परंपरा को मजबूती मिली है।

उन्होंने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज ने स्वभाषा को महत्व देते हुए प्रशासन में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया और भारतीय नौसेना की नींव रखने का कार्य किया।

उन्होंने राष्ट्रीय शायर झवेरचंद मेघाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में शिवाजी महाराज की वीरता का वर्णन आज भी बच्चों और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम सभी नया भारत देख रहे : योगी आदित्यनाथ

सिटी दर्पण संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम सभी नया भारत देख रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेज गति से उभरने वाली अर्थव्यवस्था है। भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहा है। देश और दुनिया ने वर्तमान में उत्तर प्रदेश के परसेप्सन को बदलते हुए देखा है।

मुख्यमंत्री जी आज यहाँ समाचार चैनल टाइम्स नाउ नव भारत द्वारा आयोजित ह्यविकसित भारत-समृद्ध उत्तर प्रदेशह्ल कॉन्क्लेव में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कॉन्क्लेव के माध्यम से उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास से सम्बन्धित बातों को आम जनमानस तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। वर्ष 2026-27 का बजट 09 लाख 12 हजार 600 करोड़ रुपये से अधिक का है, जो वर्ष 2016-17 की तुलना में 03 गुना से अधिक है। यह बजट प्रदेश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश अब देश का बीमारू राज्य नहीं, बल्कि अनलिमिटेड पोटेंशियल का राज्य है। हमने राज्य के पोटेंशियल को धरातल पर उतारकर प्रत्येक नागरिक के सपने को साकार करने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत का संविधान लागू होने के समय देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 14 प्रतिशत था। इसके बाद के 70 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था में प्रदेश का योगदान लगातार घटता गया, जो वर्ष 2017 तक मात्र 08 प्रतिशत रह गया। जबकि देश की 16 से 17 प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। नीतिगत उदासीनता, भ्रष्टाचार, जातिवाद और तुष्टीकरण के कारण उत्तर प्रदेश लगातार पिछड़ता गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक समय ऐसा आया, जब उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी में आ गया। प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया। वह निराश हो गये थे। प्रदेश में महिलाएं एवं व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो गये। विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के विजनरी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने एक लम्बी दूरी तय की है। यह केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वास्तविकता है। डबल इंजन सरकार समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे उर्वरा भूमि तथा दुनिया का सबसे अच्छा जल संसाधन है। पहले यहां के किसान उत्पादक थे। पिछली सरकारों की नीतियों से वह उत्पादक से कर्जदार बन गये और आत्महत्या के लिए मजबूर हो गये। प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 यूनिट का मजबूत आधार था। यह सैकड़ों वर्षों की परम्परा से चले आ रहे थे। हमारे कारीगर व हस्तशिल्पी ही उद्यमी थे। उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों को देश व दुनिया में पहुंचाने का कार्य हमारे व्यापारी करते थे। वर्ष 2017 के पहले यह बन्दी के कगार पहुंच गए थे। व्यापारी स्वयं सुरक्षित नहीं थे तथा उनकी पूंजी भी सुरक्षित नहीं थी, इससे वह पलायन को मजबूर थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने ह्यकर्फ्यू कल्चर को जीरो टॉलरेन्स कल्चरह्ल में बदलने का कार्य किया है। इस बदलाव का परिणाम भी दिखाई दे रहा है। माफिया और दंगाइयों को उनके सही ठिकाने पर पहुंचाया गया है, जिससे उत्तर प्रदेश की तस्वीर तथा प्रत्येक नागरिक की तकदीर बदली है। विगत लगभग 09 वर्षों में प्रदेश में कोई दंगा नहीं हुआ है। अब यहां कर्फ्यू नहीं लगता। जिस प्रदेश में पहले कोई निवेश करने को तैयार नहीं था, उसी प्रदेश में आज 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें 15 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की जा चुकी है। 05 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव ग्राउण्ड ब्रेकिंग के लिए तैयार हैं तथा 06 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पाइपलाइन में है। सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नीयत तथा सभी सेक्टरों के लिए पॉलिसी के माध्यम से हमने प्रदेश को पॉलिसी पैरालिसिस से उबारा है। प्रदेश में 34 सेक्टोरियल पॉलिसीज वर्तमान में मौजूद हैं, जिसमें दुनिया को कोई भी निवेशक आकर निवेश कर सकता है।

बजट सत्र : आरडीजी पर गरमाया सदन, मुख्यमंत्री सुक्खू और जयराम ठाकुर आमने-सामने

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) के मुद्दे पर सदन में जोरदार बहस हुई। चर्चा के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कई बार तीखी नोकझोंक हुई और माहौल गर्म हो गया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के बीच सीधा टकराव देखने को मिला। वहीं, भाजपा विधायक बिक्रम ठाकुर और मुख्यमंत्री सुक्खू भी आमने-सामने हुए।

चर्चा में हिस्सा लेते हुए बिक्रम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि केंद्र ने आरडीजी बंद कर हिमाचल के साथ बड़ा अन्याय किया है, लेकिन सरकार अपने खर्चों पर ध्यान नहीं दे रही। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सलाहकारों और अतिरिक्त महाधिवक्ताओं की लंबी फौज खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा कि जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाने चाहिए। बिक्रम ठाकुर ने यह भी कहा कि अगर पहले सरकार के पास पैसे थे तो चेयरमैन बनाए गए, अब आर्थिक हालात ठीक नहीं हैं तो ऐसे पदों को खत्म करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर सदन और रेस्ट हाउस का किराया बढ़ाया गया है, वहीं चेयरमैन का वेतन 30 हजार से बढ़ाकर 1.30 लाख रुपये कर दिया गया है।

इस पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि उन्होंने चेयरमैन का वेतन नहीं बढ़ाया है और अगर विपक्ष के पास इससे जुड़े दस्तावेज हैं तो वे सदन में रखें। उन्होंने कहा कि निगमों और बोर्डों में नियुक्त चेयरमैन टैक्स देने वाले लोग हैं और यह उनकी कमाई का सवाल है। आरडीजी पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अनुदान सुधारों के लिए दिया गया था ताकि राज्य अपने संसाधन बढ़ा सके, लेकिन पिछली भाजपा सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार को तीन साल में 17 हजार करोड़ रुपये की ग्रांट मिली, जबकि पिछली सरकार को 54 हजार करोड़ रुपये मिले थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 मार्च को 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को पारित किया जाना है और प्रदेश हित में विपक्ष को आरडीजी जारी रखने के लिए सहयोग करना चाहिए।

इसी दौरान मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के बीच भी तीखी बहस हुई। बिक्रम ठाकुर के भाषण के दौरान मुख्यमंत्री के बार-बार हस्तक्षेप पर जयराम ठाकुर ने आपत्ति जताई और कहा कि यह ठीक परंपरा नहीं है। उन्होंने कहा कि जब आरडीजी मिल रही थी तब भी कांग्रेस प्रधानमंत्री को लेकर बयान देती थी और अब बंद होने पर भी वही कर रही है। जयराम ठाकुर ने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि उनकी सरकार को आरडीजी के रूप में 54 हजार करोड़ रुपये मिले और उससे पिछली सरकारों का कर्ज चुकाया गया। उन्होंने बताया कि 2018 में 6485 करोड़, 2019 में 7499 करोड़, 2020 में 7438 करोड़, 2021 में 7764 करोड़ और 2022 में 9090 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया गया। उनका दावा था कि भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में 95 प्रतिशत कर्ज चुकाया, जबकि मौजूदा सरकार ने तीन साल में 60 प्रतिशत ही कर्ज लौटाया है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने पलटवार करते हुए कहा कि आरडीजी प्रदेश का अधिकार है, कोई खैरात नहीं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने 23 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया, लेकिन 26 हजार करोड़ रुपये वापस भी किए। उनके अनुसार भाजपा सरकार ने 45 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया और 36 हजार करोड़ रुपये चुकाया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार को कर्ज के अलावा 70 हजार करोड़ रुपये अलग से मिले थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर पहले वित्तीय अनुशासन रखा जाता तो कर्ज का बोझ कम किया जा सकता था। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरडीजी के मुद्दे पर कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी और जरूरत पड़ी तो प्रधानमंत्री से भी बात की जाएगी।

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने भी चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि कर्ज को लेकर श्वेत पत्र जारी किया जाए ताकि स्थिति साफ हो सके। उन्होंने भाजपा से अपील की कि यदि वह दिल्ली जाकर केंद्र से आरडीजी बहाल करने की मांग में साथ नहीं आना चाहती तो कम से कम सदन में प्रस्ताव पारित कर केंद्र से इसे जारी रखने की मांग करे। धर्माणी ने कहा कि सभी दलों का मकसद एक होना चाहिए कि आरडीजी को बहाल किया जाए और इसे समयबद्ध तरीके से बंद करने की स्पष्ट नीति बने ताकि प्रदेश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सके।

वर्तमान समय में पीढ़ियों के बीच संवाद और समन्वय अत्यंत आवश्यक : विनय कुमार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में इंटर जेनरेशनल बॉन्डिंग विषय पर मंगलवार को राजकीय कॉलेज के प्रयास भवन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों एवं कॉलेज विद्यार्थियों के बीच संवाद, सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देना रहा।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पीढ़ियों के बीच संवाद और समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों में भी पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाए रखने की जरूरत है। वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर हैं और युवाओं को उनसे सीख लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज की प्रतिस्पर्धा के दौर में बच्चों के व्यवहार, संस्कार और मानसिक संतुलन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। परिवार, अभिभावकों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि बच्चों को सकारात्मक दिशा और उचित मार्गदर्शन प्रदान करें। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने वरिष्ठों का सम्मान करें और उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। अतिरिक्त उपायुक्त ने विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।

सिरमौर के संगड़ाह में डीएसपी सुनील राणा ने संभाला कार्यभार

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

तीन माह से रिक्त चल रहे संगड़ाह डीएसपी के पद पर सुनील राणा ने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। लंबे समय से खाली पड़े इस महत्वपूर्ण पद पर तैनाती से श्री रेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

जिला सिरमौर का संगड़ाह उपमंडल प्रदेश के दूरस्थ और संवेदनशील उपमंडलों में गिना जाता है। डीएसपी सुनील राणा इससे पहले एसडीआरएफ कांगड़ा में डीएसपी और एसडीपीओ के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। मंडी जिला के जोगिंद्रनगर क्षेत्र से संबंध रखने वाले राणा ने सरकारी विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के बाद एमएससी व बीएड की पढ़ाई की और इसके बाद पुलिस सेवा को चुना।

कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा और विश्वास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। निष्पक्ष और संवेदनशील पुलिसिंग के लिए पूरी निष्ठा से काम किया जाएगा। संगड़ाह क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने नशे के कारोबार, अवैध तस्करी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए स्कूल-कॉलेज स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में बढ़ रही अवैध खनन गतिविधियों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी। खनन माफिया पर कार्रवाई के लिए संयुक्त अभियान चलाए जाएंगे और रात्रि गश्त बढ़ाई जाएगी। डीएसपी ने बताया कि पुलिस-जन सहयोग को मजबूत कर अपराध नियंत्रण में आम लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। यातायात नियमों के उल्लंघन, ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्ती बरती जाएगी। इसके साथ साथ महिला सुरक्षा, साइबर अपराध जागरूकता, ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी और पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

सीयू के दूरवर्ती शिक्षा केंद्र में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने का आखिरी मौका, 5 मार्च तक आवेदन

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 5 मार्च तक आवेदन किए जा सकते हैं। इन विषयों में एमबीए में 500, एमसीए में 300 तथा एम.ए. इतिहास, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में सीटों की संख्या असीमित है जिनमें प्रवेश लिया जा सकता है। इन ऑनलाइन कार्यक्रमों में छात्र कहीं से भी, कभी भी पढ़ सकते हैं तथा परीक्षा भी अपने घरों से दे सकते हैं।

केंद्र के उप निदेशक डॉ. चमन लाल तथा सहायक निदेशक डॉ. हरीश गौतम ने कहा कि जो ई-पाठ्य सामग्री स्वयम पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा रही है, उसे विश्वविद्यालय के अनुभवी, एवं ज्ञानवान शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसके लिए शिक्षकों ने बहुत मेहनत की है। समय-समय पर विद्यार्थियों के लिए विशेष ऑनलाइन सत्रों का आयोजन भी किया जाता है जिसमें विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम से संबंधित कोई संदेह अथवा जिज्ञासा हो तो उसका समाधान इन्हीं शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। केंद्र के विभिन्न आनलाईन कार्यक्रमों में प्रवेश एवं परीक्षा प्रभारी डॉ. हेमराज बंसल ने बताया कि इन ऑनलाइन कार्यक्रमों में प्रवेश संबंधित सभी जानकारी तथा प्रोस्पेक्टस केंद्र की वेबसाइट ६६६.ङ्क्षि.ष्ठूँ'.ृल्ल पर उपलब्ध है और इच्छुक छात्र समर्थ पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप ने कहा कि दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र द्वारा समस्त विद्यार्थियों को प्रवेश, परीक्षा और परिणाम की सभी सुविधाएं ऑनलाइन माध्यम से प्रदान की जा रही हैं और विद्यार्थियों को परिसर आने की आवश्यकता नहीं है।

उधर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसपी बंसल ने कहा कि दूरवर्ती शिक्षा केंद्र द्वारा शिक्षा को एक नए आयाम तक पहुंचाया है। यह केंद्र विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रो. बंसल ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से हम शिक्षा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा सकते हैं, और यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बताया कि केंद्र की कोशिश है कि विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान की जाए और इसके लिए विश्वविद्यालय के अनुभवी शिक्षकों की टीम काम कर रही है।

केंद्र के निदेशक प्रो. विशाल सूद ने बताया कि अगस्त 2025 का सत्र सफलतापूर्वक चल रहा है और फरवरी 2026 सत्र के लिए भी लगातार विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

सहकारिता आत्मनिर्भर भारत की नींव को करेगी और सशक्त : अनुराग ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि सहकार से समृद्धि अब केवल नारा नहीं, बल्कि देशभर में प्रभावी विकास मॉडल के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा देगा और आत्मनिर्भर भारत की नींव को और मजबूत करेगा।

ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारी क्षेत्र को सुदृढ़ और परिणामोन्मुख दिशा मिली है। बजट में सहकारिता मंत्रालय के लिए 1,744.74 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के संगणकीकरण हेतु 364 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिससे समितियां प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, कृषि विपणन मंचों और बैंकिंग प्रणाली से जुड़ सकेंगी। सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सुदृढ़ीकरण के लिए 26 करोड़ रुपये का प्रावधान पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में 5,792 सहकारी समितियां सक्रिय हैं, जिनमें 2,307 प्राथमिक कृषि ऋण समितियां और 1,194 दुग्ध सहकारिताएं शामिल हैं। संगणकीकरण से पहाड़ी क्षेत्रों में ऋण वितरण सशक्त होगा तथा छोटे किसानों, बागवानों और पशुपालकों को समय पर सहायता मिलेगी।

रेल यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की शानदार सुविधा

लाइनों को कहें अलविदा! जम्मू मंडल में रेल वन सुपर ऐप लाया है डिजिटल क्रांति

सिटी दर्पण संवाददाता
जम्मू

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल में डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए समय समय पर नित नये कदम उठाए जा रहे हैं। इसी डिजिटलाइजेशन की क्रांति में रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, बहुउद्देशीय डिजीटल प्लेटफॉर्म 'रेलवन ऐप' की सेवा उपलब्ध करवाई गई है। यह ऐप रेलवे से जुड़ी विभिन्न जानकारियों और सेवाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। 'रेलवन' ऐप की शुरूआत 1 जुलाई 2025 को केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा की गई थी। ऐप के लॉन्च होने के बाद भारतीय रेल में लगातार इसकी उपयोगिता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा हैं। इस संबंध में विभिन्न मंडलों में यात्रियों ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने के संबंध में जोर दिया जा रहा हैं। इसी संदर्भ में आज दिनांक 17 फरवरी को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल के मार्गदर्शन में यात्रियों, विशेषकर छात्रों और दैनिक यात्रियों की सुविधा के लिए अपने अत्याधुनिक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म 'रेलवन' ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान आयोजित किया गया। जम्मू मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे स्टेशनों और जम्मू विश्वविद्यालय सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में इस ऐप के फायदों के बारे में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस संबंध में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को 'रेलवन' ऐप के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही जम्मू के सभी शिक्षण संस्थानों में लगभग 500 से अधिक छात्रों व शिक्षकों को ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जागरूकता को स्थायी बनाने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के नोटिस बोर्डो पर सूचनात्मक पंपलेट चिपकाए गए और छात्रों के बीच वितरित किए गए।

इस ऐप की मुख्य विशेषताओं और लाभों प्रकाश डालते हुए, बताया गया, कि यह ऐप यात्रियों को कई अलग-अलग ऐप्स के बजाय एक ही स्थान पर सभी सेवाएं प्रदान करता है। ऐप के माध्यम से डिजिटल भुगतान या रेलवन का उपयोग करके 'अनारक्षित और 'प्लेटफॉर्म टिकट' बुक करने पर यात्रियों को 3% की सीधी छूट मिलेगी। यह योजना 14 जुलाई 2026 तक मान्य है। यात्री अब आरक्षित अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट एक ही ऐप से बुक कर सकते हैं। ट्रेन की रीयल-टाइम लोकेशन, कोच की स्थिति और प्लेटफॉर्म नंबर की सटीक जानकारी प्राप्त करें। यात्रा के दौरान सीधे अपनी सीट पर भोजन मंगवाने की सुविधा व ऐप के एकीकरण से यात्री किसी भी समस्या की शिकायत तुरंत दर्ज कर सकते हैं। जम्मू के विश्वविद्यालयों के छात्र अपने मासिक सीजन टिकट को इस ऐप के माध्यम से आसानी से मैनेज कर सकते हैं रेल वन ऐप की उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल ने बताया, कि फ्रेंडल्ली ऐप को आधुनिक डेटा एनालिटिक्स और सुरक्षा मानकों के साथ विकसित किया गया है। हमारा प्राथमिक उद्देश्य यात्री यात्रा को पूरी तरह से 'पेपरलेस' और 'निर्बाध' बनाना है। यह ऐप न केवल टिकट बुकिंग को आसान बनाता है, बल्कि यात्रियों से मिलने वाले 'रियल-टाइम फीडबैक' के आधार पर सेवाओं में सुधार करने की हमारी क्षमता को भी बढ़ाता है। इस ऐप की सहायता से यात्री बिना समय गंवाए व टिकट खिड़की पर बिना लाइन के आपनी यात्रा टिकट आसानी से ले सकता हैं। जिसके साथ वह खुले पेसों के झंझट से छुटकारा पा सकता हैं। जम्मू मंडल अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता हैं, कि ' रेलवन ऐप' का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें, तथा अपने आसपास सह यात्रियों को भी इस ऐप के बारे में जागरूक करें।

संक्षिप्त-समाचार

बघाट अर्बन सहकारी बैंक की आम सभा में हंगामा, प्रतिनिधियों ने उठाए कैपिंग और एनपीए के मुद्दे

सोलन। हिमाचल प्रदेश के बघाट अर्बन सहकारी बैंक की वार्षिक आम सभा मंगलवार को सोलन में हंगामे के बीच संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पिछले वर्ष लगाई गई प्रतिबंधात्मक सीमा (कैपिंग) को लेकर बैंक प्रबंधन और निदेशक मंडल पर कड़ा रोष व्यक्त किया। प्रतिनिधियों का कहना था कि छह माह की कैपिंग अवधि में से चार माह बीत चुके हैं और केवल दो माह शेष हैं, लेकिन अब तक गठित जांच समिति ने उन कर्मचारियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए, जिन्होंने बिना पर्याप्त जांच के ऋण वितरित किए। उन्होंने मांग की कि दोषियों का खुलासा आम सभा में किया जाए और जिम्मेदारी तय की जाए। शेयरधारकों ने कहा कि वर्ष 2018 के बाद बैंक की वित्तीय स्थिति लगातार कमजोर हुई और आज सबसे बड़ी चुनौती जमाकर्ताओं का विश्वास बहाल करना है। उनका कहना था कि यदि कैपिंग हटती है और बैंक अनुत्पादक परिसंपत्तियों से बाहर आता है तो धन निकासी के लिए लंबी कतारें लग सकती हैं। उन्होंने बैंक के मूल्यांकनकर्ताओं की भूमिका पर भी प्रश्न उठाए। सभा में घाटे वाली शाखाओं को बंद करने और लगभग 30 करोड़ रुपये के संदिग्ध ऋण मामलों की जांच का मुद्दा भी उठा। बैंक के विलय के प्रस्ताव का भी कुछ सदस्यों ने विरोध किया। बैंक के अध्यक्ष अरुण शर्मा ने बताया कि बैंक का अनुत्पादक ऋण 132 करोड़ से घटकर 112 करोड़ रुपये रह गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से जल्द सकारात्मक निर्णय लेकर बैंक को पूर्व स्थिति में लाने का प्रयास किया जाएगा।

बिना नंबर प्लेट के डंपर संचालकों पर क्षेत्रीय परिवहन विभाग सिरमौर की कार्रवाई, काटे चालान

नाहन। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सिरमौर ने नियमों की अवहेलना करने वाले भारी वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई है। आरटीओ सोना चंदेल ने पांवटा साहिब की ओर जाते वक्त एनएच-07 पर मार्कंडा पुल, नवोदय स्कूल के समीप और सूरजपुर क्षेत्र में खड़े तीन डंपरों के कुल 1.69 लाख रुपये के भारी-भरकम चालान काटे। इनमें 2 डंपर बिना नंबर प्लेट के मिले, जबकि एक डंपर पर फर्जी नंबर मिला। लिहाजा, परिवहन विभाग ने इस ट्रक को मौके पर ही इंपाउंड (जब्त) कर आगामी कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया। बता दें कि क्षेत्रीय परिवहन विभाग सिरमौर में स्टाफ की भारी कमी के बावजूद टीम हर वक्त सक्रिय है। लंबे समय से विभाग में कर्मचारियों की अभाव है। फिर भी तेज तर्रार आरटीओ खुद मोर्चा संभालकर कार्रवाई को अंजाम दे रही हैं। हाल ही में टीम ने हिमाचल और उत्तराखंड की सीमा पर मीनस में विशेष अभियान चलाकर 5.49 लाख रुपए के चालान काटे। इसमें प्रेशर होर्न के साथ साथ ओवरलोडिंग और बिना टैक्स व परमिट के वाहन शामिल थे। इससे पहले भी क्षेत्रीय परिवहन विभाग सिरमौर की टीम आरटीओ की अगुवाई में समय-समय पर नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। अब आरटीओ ने पांवटा साहिब जाते वक्त 3 डंपरों के चालान काटे। आरटीओ सिरमौर सोना चंदेल ने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए गत माह डीसी सिरमौर को एक प्रस्ताव भी भेजा है। इस प्रस्ताव में सुझाव दिया गया है कि 21 टन से अधिक भार क्षमता वाले डंपरों के क्षेत्र में प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। आरटीओ का कहना है कि नाहन सड़क पर तीखी चढ़ाई होने के कारण भारी लोड वाले डंपर अक्सर बीच रास्ते में ही खराब हो जाते हैं, जिससे घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने जनता को होने वाली इस भारी परेशानी को देखते हुए इन डंपरों के रूट में बदलाव करने के प्रस्ताव पर विचार करने का आग्रह किया है।

मंडी में शिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित

मंडी। छोटी काशी मंडी में अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर साहित्य चूड़ामणि पंडित भवानीदत्त शास्त्री की स्मृति में बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन संस्कृति सदन के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मंडलायुक्त मंडी आर.के.पुर्थी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि जिला भाषा अधिकारी रेवती सैणी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने संबोधन में मंडलायुक्त ने साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कवि सम्मेलन समाज को दिशा देने और संवेदनाओं को जागृत करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजनों से सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिलती है। कविता मन की बात व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। यह हमारे दैनिक जीवन की भावनाओं, अनुभवों और समस्याओं को सरल व प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। जब इन्हीं विषयों को हास्य और व्यंग्य के साथ पिरोया जाता है, तो कविता और भी अधिक आकर्षक, रोचक और लोकप्रिय बन जाती है। कार्यक्रम की शुरूआत गीता श्रेणी महिला टीम द्वारा मंडयाली गीता पाठ की प्रभावशाली प्रस्तुति से हुई। मंच संचालन पवन चौहान ने कुशलतापूर्वक कियाकवि सम्मेलन में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. मनोहर अनमोल, हरपिंदर कौर, राजेंद्र सिंह ठाकुर, डॉ. पी.सी. कौंडल, यशपाल सिंह राठौर, सुरेंद्र मिश्रा, भीम सिंह, कुसुम, दिनेश सूद, हरि प्रिया, पुष्पा मल्होत्रा, रतना, निरंजना, कामना मल्होत्रा, उमेश शर्मा, भारत शर्मा, जगदीश कपूर, सुरेंद्र पाल वैद्य, उत्तम चंद शर्मा, लतेश कुमार शर्मा, मुरारी शर्मा, पवन चौहान, प्रकाश चंद धीमान, अर्चना धीमान, सारिका बोहरा, निर्मला चंदेल, सविता कुमारी, पौमिला ठाकुर, किरण गुलेरिया, विनोद गुलेरिया, वेद कुमार, दीप कुमार, विद्या शर्मा, चंपा देवी, राघव जोशी, जया वैद्या, हरिंद्र मल्होत्रा, जया कपूर, नालिनी वैद्या, सुष्मा कपूर, चंपा शर्मा, प्रो. राकेश कपूर, रोमिता शर्मा, अजय कुमार, दक्षा उपाध्याय, अनिल महंत, आर.के. गुप्ता, बबली कुमारी, सरिता शर्मा, जितेश शर्मा, कुलदीप गुलेरिया तथा भूपेंद्र सिंह ठाकुर सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। देशभक्ति, सामाजिक सरोकार, हास्य-व्यंग्य एवं समसामयिक विषयों पर प्रस्तुत कविताओं ने उपस्थित जनसमूह की खूब सराहना बटोरी। शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम साहित्य, संस्कृति और भक्ति का सजीव संगम बनकर उभरा।

छोटे काशी अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव : देवधुन/वाद्ययंत्र प्रतियोगिता शुरू

मंडी। छोटे काशी के नाम से विख्यात मंडी में आयोजित हो रहे अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सवझ2026 के अंतर्गत देवधुन/वाद्ययंत्र प्रतियोगिता आज से विधिवत आरंभ हो गई। प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही देव समाज और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता के लिए 79 देवताओं के बजंत्रियों ने वाद्ययंत्र प्रतियोगिता हेतु पंजीकरण करवाया है, जबकि 10 देवताओं के देवलुओं ने देवलुनाटी प्रतियोगिता के लिए अपना नाम दर्ज कराया है। प्रथम दिन वाद्ययंत्र प्रतियोगिता में 23 प्रतिभागियों ने मंच पर अपनी प्रस्तुति दी और पारंपरिक नगाड़ों, करनाल, रणसिंघा व अन्य वाद्ययंत्रों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना दिया। देवधुन की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के लिए गठित निर्णायक मंडल में मुरारी शर्मा, कृष्णा देवी और उमेश ने अपनी भूमिका निभाई। इस अवसर पर जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी, भारी संख्या में देव समाज से जुड़े भारी संख्या में लोगों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

बजट सत्र में हरियाणा के विकास को मिलेगी नई दिशा : नायब सैनी

विपक्ष की विकास को देखने की नजर नहीं, केवल दुष्प्रचार करने पर जोर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़
हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 20 फरवरी से शुरू होने जा रहा हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र प्रदेश के विकास की दिशा, जनकल्याण की प्राथमिकताओं और भविष्य की योजनाओं को सशक्त आधार प्रदान करेगा। प्रदेश की बीजेपी सरकार ने कार्यभार संभालते समय जो संकल्प पत्र प्रदेश की जनता के समक्ष रखा था, वह हमारे लिए गीता के समान है। वह सुशासन, पारदर्शिता तथा जनहित के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को हरियाणा निवास चंडीगढ़ में पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सूचना एवं जनसंपर्क भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के.मकरंद पांडुरंग व मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि पूरा देश जानता है कि भाजपा सरकारों में कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है। प्रदेश की बीजेपी सरकार ने भी अपने संकल्पों को जमीन पर उतारने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि 19 सितम्बर, 2024 को जारी किए गए संकल्प पत्र के 217 वादों में से 60 वादे पूरे किए जा चुके हैं और 120 वादों पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 मार्च, 2025 को उन्होंने विधानसभा में बतौर वित्त मंत्री अपना पहला बजट प्रस्तुत किया था। उस बजट वर्ष में 248 घोषणाएं की गई थी। इनमें से 77 बजट घोषणाएं पूरी कर ली गई हैं और 165 बजट घोषणाओं का कार्य अंतिम चरण में है, जिन्हें जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए बजट बनाने की प्रक्रिया जारी है। पूर्व-बजट परामर्श की परंपरा को निभाते हुए, उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों के साथ अब तक कुल 13 बैठकें की हैं। इनमें उन्हें 2 हजार 199 सुझाव प्राप्त हुए। इस बार प्रदेश सरकार ने ए.आई. चैटबॉट का नया प्रयोग किया। इसके माध्यम से भी लगभग 12 हजार 400 सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन सभी पर मंथन जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार कम से कम 4-5 हजार सुझावों को आगामी बजट वर्ष 2026-27 में सम्मिलित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका हरियाणा की जनता से वादा है कि आगामी बजट वर्ष 2026-27 न केवल जनता की भावनाओं और आकांक्षाओं को भली-भांति पूरा करेगा, बल्कि उनके परिवारों, गांवों, शहरों, जिलों और समूचे हरियाणा के विकसित भविष्य की सुदृढ़ नींव रखेगा।

उन्होंने हरियाणा की अर्थव्यवस्था और राजकोष की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि 29 जनवरी, 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राज्य का सकल घरेलू उत्पाद अर्थात जी.डी.पी. वर्ष 2025-26 के अग्रिम अनुमानित आंकड़ों के अनुसार 13 लाख 67 हजार 769 करोड़ रुपए रही है। जबकि गत वर्ष के इन्हीं आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में यह 12 लाख 13 हजार 951 करोड़ रुपए थी। ये आंकड़ें दर्शाते हैं कि वर्ष 2025-26 में वर्ष 2024-25 के मुकाबले राज्य की जी.डी.पी. 12.67 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। 29 जनवरी, 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में राज्य की प्रतिव्यक्ति आय 3 लाख 58 हजार 171 रुपए रही है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिव्यक्ति आय 2 लाख 19 हजार 575 रुपए है। हरियाणा की प्रतिव्यक्ति आय देश के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय लगातार बढ़ी है। वर्ष 2014-15 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 47 हजार 382 रुपए थी। इन आंकड़ों से यह पूर्णतः स्पष्ट होता है कि पिछले 10 वर्षों में राज्य की प्रति व्यक्ति आय में लगभग ढाई गुणा की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार के सभी विभागों का वास्तविक खर्चा 1 लाख 75 हजार 801 करोड़ रुपए था, जबकि वर्ष 2014-15 में यह केवल 61 हजार 904 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष में 16 फरवरी, 2026 तक सभी विभागों का वास्तविक खर्चा 1 लाख 59 हजार 747 करोड़ रुपए है। मार्च माह तक यह आंकड़ा लगभग 2 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा, जो कि बजट का लगभग 98 प्रतिशत है।

राजस्व विभाग के अधिकारी तय समय सीमा में करें पेंडिंग इंतकाल के कार्य को पूरा : सुमिता मिश्रा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा की वित्तीय राजस्व आयुक्त सुमिता मिश्रा ने कहा कि राजस्व विभाग से संबंधित सभी कार्यों को अधिकारी तय समय सीमा में करें और किसी भी सूरत में इंतकाल के कार्य को पेंडिंग ना रखें।

हरियाणा की वित्तीय राजस्व आयुक्त सुमिता मिश्रा मंगलवार को चंडीगढ़ से वीसी के माध्यम से प्रदेशभर के उपायुक्तों एवं राजस्व अधिकारियों को राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा कर रही थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसी भी जिले में किसी भी सूरत में इंतकाल के कार्य पेंडिंग नहीं रहने चाहिए और पेपरलेस रजिस्ट्री तिथि बद्ध तरीके से हो और टोकन 5 दिन से ज्यादा पेंडिंग ना हो। वित्तीय राजस्व आयुक्त सुमिता मिश्रा ने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि जिला राजस्व अधिकारी और तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार से हर सप्ताह राजस्व विभाग के कार्यों से संबंधित रिपोर्ट लें और इस विषय में कानूनगो की भी जिम्मेदारी तय करें।

वीसी में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने वित्तीय राजस्व आयुक्त सुमिता मिश्रा को बताया कि जीरो मोटेशन ड्राइव के तहत जो इंतकाल पेंडिंग है, उन्हें आगामी 15 दिन में पूरा कर दिया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि जिले में पेपरलेस रजिस्ट्री तिथि बद्ध तरीके से की जा रही हैं और अभी तक करीब 10 हजार 152 पेपरलेस रजिस्ट्रियां हो चुकी हैं। वीसी में उपायुक्त ने यह भी बताया कि ततीमा का कार्य, तक्सीम के कार्य, टोकन के कार्य, जमाबंदी के कार्य और डिमार्केशन के कार्य भी समयबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं।

वीसी के बाद उपायुक्त ने डीआरओ तथा तहसीलदार व नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि टोकन के मामले में पेंडेंसी नहीं रहनी चाहिए और संबंधित अधिकारी हर महीने कम से कम 15 तक्सीम के कार्य जरूर करें। उन्होंने सभी एसडीएम को भी कहा कि राजस्व विभाग से संबंधित अधिकारियों के कार्यों की समय समय पर समीक्षा करें और उसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को भी भेजें।

इस मौके पर लाडवा के एसडीएम अनुभव मेहता, पिहोवा एसडीएम अनिल दून, डीआरओ चेतना चौधरी, सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार सहित राजस्व विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने किया लॉ फेस्ट की विवरणिका का अनावरण

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा आयोजित होने जा रहे लॉ फेस्ट ह्लअभियुदय 2026ह्व की विवरणिका का औपचारिक अनावरण कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा द्वारा मंगलवार को किया गया। इस अवसर पर विधि विभाग की अध्यक्षा प्रो. प्रीति जैन, प्रो. महाबीर सिंह, डॉ. पूजा सहित विद्यार्थियों की कोर कमेटी के सदस्य भी शामिल हुए।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विधि विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए आयोजन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रदान कीं तथा विद्यार्थियों को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तार्किक क्षमता एवं व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देते हैं।

संयोजक डॉ. प्रियंका चौधरी ने अभियुदय 2026 की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह आयोजन विद्यार्थियों की विधिक समझ, नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करेगा।

अधिकारियों को गर्मी से पहले जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने आज चंडीगढ़ में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान मंत्री ने विभाग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा करते हुए प्रदेश में पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था और सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जलघर, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तथा अन्य जन स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों की नियमित साफ-सफाई और समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के जलघरों, एसटीपी तथा अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण भी किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने पर जोर दिया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने प्रदेश के विभिन्न वाटर वर्क्स से संबंधित विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पानी के स्रोत, किन-किन क्षेत्रों एवं गांवों में पेयजल आपूर्ति की जा रही है, वहां की जनसंख्या, जल आपूर्ति क्षमता तथा जल शोधन संयंत्रों (डब्ल्यूटीपी) की स्थिति और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इसके साथ ही जल भंडारण क्षमता, टंकियों की स्थिति, नियमित साफ-सफाई और स्वच्छता मानकों के पालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को पानी के नमूनों की नियमित जांच सुनिश्चित करने, जल गुणवत्ता की निगरानी मजबूत करने तथा पाइपलाइन नेटवर्क के उचित रखरखाव के निर्देश भी दिए, ताकि लोगों को सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिए कि जिन गांवों में पेयजल की कमी है, वहां चिन्हित कर वैकल्पिक जल स्रोत विकसित किए जाएं। जहां भूजल स्तर कम है, वहां नए ट्यूबवेल या उपयुक्त जल स्रोत विकसित करने की योजना बनाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां भी पाइपलाइन में लीकेज या दूषित पानी की सप्लाई की शिकायतें हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पानी मिल सके। नई पाइपलाइन बिछाते समय उसे सीवर लाइन से अलग रखने के निर्देश भी दिए गए, ताकि दूषित पानी की समस्या उत्पन्न न हो। श्री रणबीर गंगवा ने अधिकारियों को आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पिछले वर्षों में जल संकट की स्थिति रही है, वहां विशेष निगरानी रखी जाए।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा में 40 करोड़ से अधिक राजस्व अभिलेखों का डिजिटलीकरण

चंडीगढ़। पारदर्शी और तकनीक-आधारित भूमि प्रशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए हरियाणा ने मॉडर्न रेवेन्यू रिकॉर्ड रूम्स (टफ्फ्फ) पहल के तहत 40 करोड़ 09 लाख 10 हजार 631 से अधिक राजस्व अभिलेखों की छवियाँ अपलोड कर दी हैं। यह राज्य के प्रशासनिक इतिहास के सबसे बड़े डिजिटलीकरण अभियानों में से एक है। इस प्रगति की समीक्षा सभी उपायुक्तों की बैठक में की गई, जिसकी अध्यक्षता वित्त आयुक्त (राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग) डॉ. सुमिता मिश्रा ने की। डॉ. मिश्रा ने इस डिजिटलीकरण अभियान को ऐतिहासिक भूमि अभिलेखों के संरक्षण, डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने और नागरिकों को प्रमाणित दस्तावेजों की सहज उपलब्धता देने वाला संरचनात्मक सुधार बताया। उन्होंने अधिकारियों को सभी जिलों में सख्त गुणवत्ता जांच और समान मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 16 फरवरी, 2026 तक लगभग 95 प्रतिशत रजिस्ट्रियाँ निर्धारित 5 दिनों की समय-सीमा के भीतर पूरी की गईं, जिससे संकेत मिलता है कि अधिकांश लेन-देन सामान्य समय-सीमा में निपटाए जा रहे हैं। अधिकारियों को शेष मामलों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

हरसमय पोर्टल पर लापता व्यक्तियों के पंजीकरण की सुविधा शुरू

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तकनीक आधारित नागरिक सेवाओं और स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देते हुए हरसमय पोर्टल पर 'लापता व्यक्तियों का पंजीकरण' सुविधा शुरू की है। साथ ही, सत्यापन सेवा प्रमाणपत्रों को डिजिलॉकर से जोड़ा गया है। नागरिक पोर्टल पर जीआईएस-आधारित पुलिस स्टेशन लोकेटर भी शुरू किया गया है, जिससे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करना अब और भी सरल हो गया है। इन कार्यों की जानकारी आज यहां गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) की 32वीं बैठक में दी गई। बैठक में बताया गया कि सीसीटीएनएस का ई-कोर्ट्स और ई-प्रोसिक्यूशन प्रणाली से एकीकरण कर लिया गया है। इससे जांच अधिकारियों को अदालतों और अभियोजन कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है। थानाध्यक्षों (एसएचओ) के लिए कैदियों की रिहाई संबंधी अलर्ट व्यवस्था भी लागू की गई है। इसके अलावा, सीसीटीएनएस के अंतर्गत एफआईआर, चालान और अन्य दस्तावेजों के लिए आधार-आधारित जेनरिक ई-साइन सुविधा लागू की गई है। इससे फील्ड अधिकारियों के समय और स्टेशनरी की बचत हुई है। राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) और मोबाइल क्राइम यूनिट्स (एमसीयू) सभी जिलों में स्थापित की जा चुकी हैं।

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में ट्रांसमीडिया स्टोरीटेलिंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

चंडीगढ़। जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में 18-19 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ट्रांसमीडिया स्टोरीटेलिंगः नैरेटिव्स, डिस्कोर्स एंड डिसेमिनेशन (टीएस-26) की तैयारियाँ इन दिनों अपने अंतिम चरण में हैं। साहित्य एवं भाषा विभाग की अध्यक्षा प्रो दिव्यज्योति सिंह ने बताया कि यह सम्मेलन हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा, जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित विद्वान ऑफलाइन तथा ऑनलाइन दोनों माध्यमों से सहभागिता करेंगे। उन्होंने बताया कि आज के वैश्विक और डिजिटल युग में कहानी कहने की प्रक्रिया पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर बहुस्तरीय और बहुआयामी स्वरूप ग्रहण कर चुकी है। साहित्य, सिनेमा, डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विधि तथा जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में कथानक निरंतर नए रूपों में विकसित हो रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में यह सम्मेलन कथाओं के निर्माण, प्रसार और विमर्श के बदलते आयामों पर गंभीर शैक्षणिक चर्चा का मंच प्रदान करेगा।

अनुसूचित जाति के किसानों के लिए अनुदान पर ट्रैक्टर प्रदान करने के लिए निकाला जाएगा ड्रा: डॉ. कर्मचंद

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक कुरुक्षेत्र डॉ. कर्मचंद ने कहा कि अनुसूचित जाति के किसानों के लिए अनुदान पर ट्रैक्टर प्रदान करने के लिए ड्रा निकाला जाएगा। इस योजना में लक्ष्य से ज्यादा आवेदन आने के कारण जिला स्तरीय कमेटी द्वारा ड्रा निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि स्टेट प्लॉन एसबी-89 स्कीम 2025-26 के तहत अनुसूचित जाति के किसानों के लिए अनुदान पर ट्रैक्टर प्रदान करने के लिए 15 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। जिला कुरुक्षेत्र में 438 किसानों द्वारा इस स्कीम के तहत आवेदन किया गया है। कृषि निदेशालय द्वारा जिला कुरुक्षेत्र के लिए 38 ट्रैक्टरो का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लाभार्थियों का चयन ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कमेटी द्वारा उपायुक्त कार्यालय के सभागार जाएगा। ड्रा के उपरांत चयनित किसानों की सूची सहायक कृषि अभियंता व उप कृषि निदेशक कार्यालय में लगा दी जाएगी। सहायक कृषि अभियंता राजेश वर्मा ने कहा कि चयनित किसान अपने दस्तावेज सहायक कृषि अभियंता कार्यालय में जमा करवायेगें। दस्तावेजों की जांच उपरांत किसानों को ऑनलाइन परमिट जारी कर दिया जाएगा। परमिट जारी होने के 15 दिनों के भीतर किसान को ट्रैक्टर की खरीद करनी होगी। अन्यथा प्रतिक्षारत किसान को अनुदान लाभ को मौका प्रदान कर दिया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर विषय: प्रो. वीरेन्द्र पाल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल ने युवाओं को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय के अंतर्गत ईको क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के क्रश हॉल में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो वीरेंद्र पाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ह्लजीरो वेस्ट लाइफस्टाइलह्व अपनाकर, हरित तकनीकों को बढ़ावा देकर और सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में जागरूकता फैलाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएं। उन्होंने प्रतिभागियों की सृजनात्मकता और सामाजिक सरोकार की भावना की सराहना की। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो ए.आर. चौधरी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि ईको क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने ह्लजीरो वेस्ट लाइफस्टाइलह्व, ह्लसस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स एंड एनवायरनमेंटह्व तथा ह्लग्रीन टेक्नोलॉजीजह्व विषयों पर आकर्षक एवं संदेशपूर्ण हस्तनिर्मित पोस्टर तैयार किए। निर्णायक मंडल में डीन रिसर्च एंड डेवलेपमेंट प्रो. संजीव अग्रवाल, चीफ वार्डन प्रो. कुसुमलता और ललित कला विभाग के डॉ. आरके सिंह द्वारा पोस्टरों का मूल्यांकन रचनात्मकता, विषय की प्रासंगिकता, संदेश की स्पष्टता तथा प्रस्तुतीकरण के आधार पर किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को 20 फरवरी को पुरस्कृत किया जाएगा। मंच का संचालन ईको क्लब की डिप्टी नोडल आफिसर डॉ. मीनाक्षी सुहाग ने किया। कार्यक्रम के अंत में डिप्टी पर्यावरण नोडल आफिसर प्रो. दीपक राय बब्बर ने मुख्यातिथि, छात्र कल्याण अधिष्ठाता तथा सभी उपस्थित हितधारकों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ पूजा, डॉ. हरदीप राय, डॉ. नितिन सहगल, शोधार्थी कोर्डिनेटर कवर सिंह आदि मौजूद थे।

नशा रोकथाम के उपायों व एनडीपीएस अधिनियम के प्रति किया जागरूक

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुरुक्षेत्र दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा डीएलएसए की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज के दिशानिदेर्शानुसार पुलिस विभाग के सहयोग से नशा मुक्त हरियाणा मिशन के अंतर्गत जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत पैनल अधिवक्ता अमित सहरावत द्वारा पुलिस विभाग की टीम के साथ मिलकर गांव मथाना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया तथा नशा रोकथाम के उपायों एवं एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र द्वारा डिजिटल दुनिया का प्रबंधन साझा करने से पहले सोचें विषय पर प्रसार एवं डिजिटल लत के विरुद्ध व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आमजन को डिजिटल माध्यमों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि किसी भी समाचार, संदेश या वीडियो को आगे साझा करने से पूर्व उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें तथा किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचें।

सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य समाज में डिजिटल साक्षरता एवं जागरूकता बढ़ाना है ताकि लोग साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और भ्रामक सूचनाओं के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिक ही सुरक्षित डिजिटल समाज का निर्माण कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा यह अभियान निरंतर जारी है और अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर उन्हें डिजिटल सुरक्षा के प्रति सचेत किया जा रहा है।

थानेसर के 20 गांवों में 48 विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा 4 करोड़ 11 लाख का बजट : सुभाष सुधा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर हलका के 20 गांवों में 48 विकास कार्यों पर 4 करोड़ 11 लाख रुपए का बजट खर्च किया जाएगा। इस बजट से खेतों को जाने वाले रास्ते को ईंटों के साथ पक्का किया जाएगा। यह विकास कार्य प्रदेश सरकार की खेल खलियान रास्ता योजना के तहत किया जा रहा है। इन विकास कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार भी व्यक्त किया है।

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने मंगलवार को देर सायं कार्यकताओं से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने किसानों के लिए मुख्यमंत्री खेत खलिहान सडक योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य खेतों तक जाने वाले कच्चे रास्तों को पक्का करना है। इस योजना के तहत, हर विधानसभा क्षेत्र में 25 किलोमीटर तक खेतों के कच्चे रास्तों को पक्का किया जाएगा। इस योजना का लाभ किसानों को मिलेगा, जिन्हें अपने खेतों तक जाने में आसानी होगी। इसके अलावा, यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को भी बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा कि ईशाकपुर रोड से कुआं मान सिंह तक ईंट रास्ते का निर्माण, चंदन के खेत से शिशपाल चौहान के खेत तक बी.ओ.ई. रास्ते का निर्माण और प्रदीप नम्बरदार के खेत से सुभाष चौहान के खेत तक बी.ओ.ई. रास्ते का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह लुखी रोड से मोहिंदर सिंह के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण, मुख्य समसपुर रोड से सुमित्तर सिंह के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण और मोती राम पंडित से बलविंदर सिंह पुत्र राज सिंह तक ईंट रास्ते का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि हीरा सिंह फिरनी से कुलविंदर (पूर्व पंच) की कृषि भूमि तक ईंट रास्ते का निर्माण, सरस्वती ड्रेन के पास से हंसराज के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण और रामसरन के खेत से अजमेर सिंह के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कृष्ण सैनी के खेत से परवेश सैनी के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण, गौशाला से रेलवे लाइन पार पंचायत भूमि तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण और फकीर पुत्र दंतु राम के खेत से मंगत राम पुत्र दंतु राम के खेत तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह मंडी रोड से रामफल पुत्र माया राम के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण, सुरेश के खेत से बिंदर के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण और पीडब्ल्यूडी रोड (गांधी नगर) से खालिंदा राम तक ईंट रास्ते का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि लुखी रोड से पृथी सिंह की कृषि भूमि तक ईंट रास्ते का निर्माण, लुखी रोड से बाहरी रोड (पंचायत भूमि) तक ईंट रास्ते का निर्माण और लुखी रोड से सतपाल सिंह तक ईंट रास्ते का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लुखी रोड से आनंद राम होते हुए सतपाल पुत्र तुलसी राम तक ईंट रास्ते का निर्माण, तिगरी रोड से इंद्रा कॉलोनी तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण और सुभाष के खेत से मेवा राम के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह सुनहरीखालसा मुख्य सडक से राम सिंह रोर के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण, रेलवे फाटक से गांव हरियापुर होते हुए बलबीर पुत्र बारू राम के खेत तक ईंट पेवमेंट रास्ते का निर्माण और मुख्य बारवा रोड से सुभाष नम्बरदार के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि बारवा मुख्य सडक से बलबीर सिंह के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण, किरमच रोड से बलबीर के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण और पीडब्ल्यूडी नरकतारी रोड से रोशनी देवी पत्नी ओम प्रकाश के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्य फिरनी/मंगत राम के खेत से महिंदर सिंह के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण, पीडब्ल्यूडी नरकतारी रोड से सुखचैन सिंह की कृषि भूमि तक ईंट रास्ते का निर्माण और श्मशान घाट से सतपाल पुत्र दयाल सिंह के खेत तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह कृष्ण कुमार से अशोक धीमान के खेत तक ईंट पेवर्ड रास्ते का निर्माण, दबखेड़ी रोड से परवीन शर्मा के खेत तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण और मनोज कुमार के खेत से कृष्ण कुमार के खेत तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि अनिरुद्ध के खेत से मनोज कुमार के खेत तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण, दबखेड़ी रोड से राजेश राणा के खेत तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण और मांगे राम के खेत से सुभाष के खेत तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कैंथला खुर्द से शमसीपुर तक ईंट रास्ते का निर्माण, नहर से दर्शन सिंह कल्लू पट्टी के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण और ईशाकपुर रोड से रिंकू परजापत होते हुए डेरा बाजीगर तक ईंट पेव्ड रास्ते का निर्माण किया जाएगा। इसी तरफ फिरनी से सूरजभान पुत्र लखपत के खेत तक बी.ओ.ई. रास्ते का निर्माण, मिजार्पुर-पिहोवा रोड से केहर सिंह एवं मान सिंह के खेत तक बी.ओ.ई. रास्ते का निर्माण और मिजार्पुर-पिहोवा रोड से रणधीर सिंह के खेत तक बी.ओ.ई. रास्ते का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पृथ्वी सिंह से पवन धीमान तक ईंट रास्ते का निर्माण, गुग्गा माड़ी से रतन लाल की कृषि भूमि तक ईंट रास्ते का निर्माण और पीडब्ल्यूडी रोड किरमच से जसमेर के खेत तक ईंट रास्ते का निर्माण किया जाएगा।

संपादकीय

हर हाथ में फोन, हर युवा क्रिएटर – भारत की क्रिएटर इकॉनमी का बड़ा धमाका

भारत में डिजिटल क्रांति का चेहरा पिछले कुछ वर्षों में जिस तेजी से बदला है, वह अपने आप में एक प्रेरक कहानी बन चुका है। आज देश के गांव से लेकर महानगर तक, हर हाथ में स्मार्टफोन और हर प्लेटफॉर्म पर सक्रिय क्रिएटर्स दिखाई देते हैं। यह दृश्य केवल तकनीकी प्रगति का संकेत नहीं, बल्कि एक नई सामाजिक-आर्थिक ऊर्जा का प्रतीक है। क्रिएटर इकॉनमी अब केवल मनोरंजन या शौक तक सीमित नहीं रही; यह आत्मनिर्भरता, नवाचार और अवसरों की सकारात्मक धारा बनकर उभरी है। इंटरनेट की सुलभता, कम डेटा लागत और डिजिटल साक्षरता के विस्तार ने इस बदलाव को संभव बनाया है, जिसके कारण लाखों युवा अपनी रचनात्मकता को पेशे में बदलने लगे हैं। इस परिवर्तन की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसका लोकतांत्रिक स्वरूप है। पहले जहां मीडिया या मनोरंजन जगत में प्रवेश सीमित संसाधनों और संपर्कों पर निर्भर करता था, वहीं आज डिजिटल मंचों ने हर व्यक्ति को अपनी पहचान बनाने का अवसर दिया है। उदाहरण के तौर पर, यू ट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म ने कंटेंट को साझा करने और उससे आय अर्जित करने के रास्ते खोले हैं। इन मंचों के पीछे कार्यरत तकनीकी कंपनियां – जैसे गूगल और मेटा– क्रिएटर्स को प्रशिक्षण, एनालिटिक्स और मोनेटाइजेशन के साधन उपलब्ध कराकर इस अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रही हैं। परिणामस्वरूप, छोटे शहरों और कस्बों से उभर रहे क्रिएटर्स वैश्विक दर्शकों तक पहुंच बना रहे हैं, जो सकारात्मक सामाजिक गतिशीलता का संकेत है। क्रिएटर इकॉनमी का सबसे उज्ज्वल पक्ष यह है कि इसने विविधता को मंच प्रदान किया है। क्षेत्रीय भाषाओं, लोक संस्कृति, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजनों और पारंपरिक ज्ञान को अब नई पहचान मिल रही है। हिंदी सहित कई भारतीय भाषाओं में कंटेंट निर्माण से न केवल सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण हो रहा है, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को आर्थिक अवसर भी मिल रहे हैं। शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और उद्यमिता से जुड़ी जानकारी को सरल भाषा में प्रस्तुत कर क्रिएटर्स समाज में जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ा रहे हैं। महामारी के बाद डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन सीखने की प्रवृत्ति ने इस सकारात्मक भूमिका को और स्पष्ट किया है। आर्थिक दृष्टि से यह क्षेत्र एक नई ऊर्जा लेकर आया है। पारंपरिक नौकरियों के विकल्प के रूप में कंटेंट निर्माण, वीडियो संपादन, ग्राफिक डिजाइन, डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांड प्रबंधन जैसे कार्यों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। कई युवा स्वतंत्र पेशेवर के रूप में काम कर रहे हैं और अपनी आय के स्रोत खुद तैयार कर रहे हैं। ब्रांड कंपनियां अब डिजिटल प्रभावशाली व्यक्तियों के माध्यम से उत्पादों का प्रचार कर रही हैं, जिससे विज्ञापन उद्योग का स्वरूप बदल रहा है। इससे न केवल उद्यमिता को बढ़ावा मिला है, बल्कि डिजिटल कौशल विकास को भी प्रोत्साहन मिला है। सकारात्मक बात यह है कि यह क्षेत्र आत्मनिर्भरता और नवाचार की भावना को मजबूत कर रहा है। सरकारी नीतियां भी इस सकारात्मक परिदृश्य का समर्थन करती दिखाई देती हैं। डिजिटल ढांचे को मजबूत बनाने, इंटरनेट पहुंच बढ़ाने और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के प्रयासों ने इस क्षेत्र को अप्रत्यक्ष गति दी है। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स इन्फर्मेशन टेक्नॉलजी द्वारा डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और साइबर सुरक्षा पर दिया जा रहा जोर क्रिएटर्स के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार कर रहा है। वहीं, इंडिया में डिजिटल नवाचार और कौशल विकास कार्यक्रमों ने युवाओं को तकनीक के साथ आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया है। यह समन्वय बताता है कि क्रिएटर इकॉनमी देश के व्यापक डिजिटल विकास का स्वाभाविक विस्तार है। सामाजिक प्रभावों के संदर्भ में भी इसका योगदान उल्लेखनीय है। डिजिटल मंचों पर प्रेरक कहानियां, कौशल प्रशिक्षण, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक अभियानों को व्यापक समर्थन मिल रहा है। इससे सकारात्मक संवाद और सामुदायिक सहयोग की भावना मजबूत हुई है। कई क्रिएटर्स सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाकर परिवर्तन की प्रेरणा दे रहे हैं। यह दर्शाता है कि कंटेंट निर्माण केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं, बल्कि सामूहिक कल्याण में भी योगदान दे सकता है। भविष्य की संभावनाएं इस क्षेत्र को और आशाजनक बनाती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी और नई डिजिटल तकनीकों के साथ कंटेंट निर्माण के नए प्रारूप सामने आ रहे हैं। इससे क्रिएटर्स को अधिक प्रभावशाली और इंटरैक्टिव अनुभव तैयार करने का अवसर मिलेगा। भारत की विशाल युवा आबादी, बढ़ती तकनीकी समझ और रचनात्मक ऊर्जा इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की क्षमता रखती है। सकारात्मक संकेत यह है कि यह विकास केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और नवाचार के प्रसार को भी गति देगा। कुल मिलाकर, क्रिएटर इकॉनमी भारत में आशा, आत्मनिर्भरता और नवाचार का प्रतीक बन चुकी है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने जिस अवसर का द्वार खोला है, उसने लाखों लोगों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और समाज में योगदान देने का मंच दिया है। यदि यह प्रवृत्ति गुणवत्ता, नैतिकता और निरंतर सीखने के साथ आगे बढ़ती रही, तो आने वाले समय में यह क्षेत्र देश की डिजिटल प्रगति का एक उज्ज्वल अध्याय सिद्ध होगा। सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह बदलाव केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी है – एक ऐसी कहानी, जिसमें हर क्रिएटर अपने भविष्य का निर्माता बन सकता है।

मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है।

इस तरह की घटनाएं देश-दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के बच्चे या युवा आ रहे हों अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो-चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क से संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर-फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया।

दरअसल, ऑनलाइन गेम मनोस्थिति को इस कदर प्रभावित कर देते हैं कि उठते-बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरू किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं।

दरअसल, देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2022 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है।

देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन-प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चे ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि गेम ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। खतरनाक तथ्य यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इनके ज्यादा शिकार हो रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है। साल 2029 तक इसके 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं।

समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन-प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हालांकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फॉरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने होंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मोहन सरकार का सशक्त विजन : एक ट्रिलियन डॉलर की ओर बढ़ता मध्य प्रदेश

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

मध्यप्रदेश आज एक ऐसे परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, जहाँ विकास नारा न होकर धरातल पर उतरती हुई वास्तविकता बन चुका है। राज्य की आर्थिक गति, औद्योगिक विस्तार, कृषि समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में हो रहे सतत प्रयासों ने इसे देश के तेजी से उभरते राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। इस परिवर्तन के केंद्र में हैं डॉ. मोहन यादव, जिनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट मानना है कि राज्य का विकास देश के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है। वे अक्सर कहते हैं कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई ऊँचाइयों को छू रहा है और इसी दिशा में मध्यप्रदेश भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य ने एक व्यापक दृष्टिपत्र तैयार किया है, जिसमें आने वाले 25 वर्षों में प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है।

आर्थिक विकास की नई कहानी

पिछले कुछ वर्षों में एक तरह से देखें तो जिस गति से आर्थिक प्रगति की है, वह प्रेरणादायक है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान में लगभग 1 लाख 55 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है, जिसे अगले 25 वर्षों में 22 लाख 50 हजार रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे व्यापक औद्योगिक निवेश, कृषि उत्पादन और सेवा क्षेत्र के विस्तार से हासिल किया जाएगा।

राज्य सरकार ने औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए 18 नई औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों का उद्देश्य बड़े शहरों के साथ ही छोटे और दूरस्थ क्षेत्रों तक उद्योगों को पहुँचाना है। इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टरों पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगा है।

रोजगार सृजन और युवाओं में नया उत्साह

मप्र में तेजी से बढ़ते उद्योगों और निवेश के कारण रोजगार के नए अवसर लगातार पैदा हो रहे हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा रोजगार देने वाला बने। इसी उद्देश्य से स्वरोजगार और युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। यही कारण है कि वर्तमान में प्रदेश की बेरोजगारी दर मात्र 1 से 1.5 प्रतिशत के बीच रह गई है, जोकि देश के कई राज्यों की तुलना में काफी कम है। इसका सीधा संबंध उद्योगों के विस्तार, एमएसएमई सेक्टर की मजबूती और कृषि आधारित रोजगार से है।

वस्तुतः यहां देखने में यह भी आ रहा है, जैसा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट मानना भी है कि एमएसएमई क्षेत्र राज्य के औद्योगिक विकास की बैकबोन है। छोटे और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर ही व्यापक स्तर पर रोजगार सृजित किया जा सकता है। यही कारण है कि राज्य सरकार एमएसएमई और लघु उद्योगों को विशेष अनुदान, कर में रियायत और आसान ऋण सुविधा उपलब्ध करा रही है। औद्योगिकरण को विशेष रूप से जनजाति और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कटनी और शहडोल जैसे क्षेत्रों में माइनिंग सेक्टर में निवेश बढ़ा है, वहीं नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स के निर्माण के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है।

यही कारण है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मिले लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से करीब 8 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि निवेशकों का भरोसा मध्यप्रदेश की नीतियों और वातावरण पर लगातार बढ़ रहा है।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती

मध्यप्रदेश लंबे समय से कृषि क्षेत्र में अग्रणी रहा है और सरकार इसे और सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। कृषक कल्याण वर्ष के तहत किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया गया है। कृषि उत्पादन के साथ-साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। सिंचाई के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पिछले डेढ़ साल में ही 7.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई रकबा बढ़ाया गया है और इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में पहुंचने से मालवा क्षेत्र के किसानों को विशेष लाभ मिला है।

इसके साथ ही नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य देश में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है। मुरैना में उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर एक बड़ा सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है, जिससे दोनों राज्यों को बिजली का लाभ मिलेगा। किसानों को सोलर पंप देकर ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मंदसौर के गांधी सागर बांध में पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट की स्थापना भी राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह सब प्रयास पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को भी गति दे रहे हैं।

कौशल विकास और तकनीकी सशक्तिकरण

औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ भविष्य में कुशल श्रमिकों की मांग भी बढ़ेगी। इसे ध्यान में रखते हुए शिक्षा नीति 2020 के तहत युवाओं के कौशल उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेजों में आईटी सेंटर खोले जा रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। सरकार तकनीक को चुनौती नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देख रही है और युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास

प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी ठोस काम मध्यप्रदेश में मोहन सरकार के नेतृत्व में होता हुआ इन दिनों बड़े स्तर पर देखा जा सकता है। प्रदेश के एक लाख से अधिक स्वसहायता समूहों को बाजार और तकनीकी सहायता दी जा रही है। उद्योगों में महिलाओं को 48 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है और उनके लिए विशेष औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं। वहीं धार्मिक पर्यटन को नई गति देने के लिए होम-स्टे जैसी योजनाओं को बढ़ावा दिया गया है। इससे एक ओर पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल रही है, तो दूसरी ओर ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि का नया मार्ग खोल रही है, महिला सशक्तिकरण की इसमें बड़ी भूमिका है।

सुरक्षा और विकास का संतुलन

राज्य ने विकास के साथ-साथ सुरक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश नक्सलवाद से लगभग मुक्त होने वाला राज्य बन गया है। यह उपलब्धि विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में अहम भूमिका निभा रही है।

ऐसे में कहना यही होगा कि आज डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने यह दिखा दिया है कि सही नीतियों, स्पष्ट दृष्टि और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ किसी भी राज्य को विकास के नए शिखर तक पहुंचाया जा सकता है। जब विदेशी कंपनियां भी यहां निवेश करने के लिए उत्साहित हैं, युवा उद्यमिता की ओर बढ़ रहे हैं और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास सफल हो रहे हैं, तब यही कहना होगा कि मध्यप्रदेश एक नए औद्योगिक और आर्थिक युग की दहलीज पर खड़ा है।

(लेखक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं पत्रकार हैं)

आज का राशिफल

मेष: घर के वातावरण और व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। कारोबार से जुड़े लोगों को लाभ के संकेत हैं। दूसरों की मदद करने से मानसिक संतोष मिलेगा। राजनीतिक या प्रशासनिक मामलों में सतर्क रहना बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: वैवाहिक जीवन में सामंजस्य और गहराई बढ़ेगी। लंबे समय से लंबित घरेलू कार्यों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। समाज में आपकी छवि बेहतर हो सकती है। अपनी योजनाओं को फिलहाल गोपनीय रखना हितकर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: काम का दबाव अधिक रहने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में कुछ मतभेद उभर सकते हैं। गैस या एसिडिटी जैसी परेशानी परेशान कर सकती है, इसलिए खान-पान संतुलित रखें। महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की जरूरत है। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: पुरानी भूलों से सीख लेकर आगे बढ़ना फायदेमंद रहेगा। मन में असमंजस या चिंता हो सकती है। किसी जरूरी कार्य पर अपेक्षा से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। दूसरों से ज्यादा उम्मीद न रखें और धैर्य बनाए रखें। मेहनत बढ़ानी पड़ेगी, इसलिए मानसिक संतुलन बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में सकारात्मक प्रगति होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए व्यापारिक प्रयासों में सहूलियत मिल सकती है। सकारात्मक सोच बनाए रखें। ऋण चुकाने में सफलता मिल सकती है और जीवनसाथी के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रह सकता है, लेकिन दिन कुल मिलाकर बेहतर रहेगा। जटिल समस्याओं का समाधान मिलने की संभावना है। स्वार्थपूर्ण रवैये से रिश्तों में दूरी आ सकती है, इसलिए संतुलन बनाए रखें। किसी मित्र को आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में बदलाव या नई योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। अधिक शंका करना नुकसानदायक हो सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी संभव है और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: अतिरिक्त जिम्मेदारियां लेने से बचें। व्यावसायिक लक्ष्यों तक पहुंचने में बाधाएं आ सकती हैं। अनावश्यक यात्रा करनी पड़ सकती है। परिवार का सहयोग बना रहेगा। गलत दिशा में कदम बढ़ाने से बचें और संयम रखें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: जीवनसाथी के साथ भावनाएं साझा करने से संबंध मजबूत होंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात दिन को आनंदमय बना सकती है। मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। रुचि अनुसार काम मिलने से संतुष्टि रहेगी। मन की कोई इच्छा पूरी हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं। सिरदर्द या हल्का बुखार परेशान कर सकता है, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवन स्तर सुधारने के प्रयास सफल हो सकते हैं। अचानक चुनौतियां सामने आ सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: आज के दिन जीवनशैली में सुधार के प्रयास करेंगे। घरेलू सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ सकता है। बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा। व्यवसाय पर विशेष ध्यान देंगे और नई योजनाओं को अमल में ला सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीन: अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखना जरूरी है। अहंकारपूर्ण व्यवहार से रिश्तों में दूरी आ सकती है। एकाग्रता की कमी महसूस हो सकती है। अनावश्यक लेन-देन से दूर रहें। तनाव के कारण नींद प्रभावित हो सकती है, इसलिए जीवनसाथी के साथ व्यवहार संतुलित रखें। *(सिटी दर्पण)*

किशोरियों में बढ़ता फ्रेंड विद बेनिफिट कल्चर

कैलाश चन्द्र (हि.स)

भारत के सामाजिक परिदृश्य में एक बेचैन कर देने वाला बदलाव तेजी से उभर रहा है और उसकी सबसे मार्मिक झलक उस घटना में दिखाई देती है जिसमें 15 वर्ष की एक छात्रा गर्भवती पाई गई। डॉक्टर ने जब उससे पूछा कि बच्चा किससे हुआ है, तो उसका उत्तर था, ह्लपता नहींङ्घ कई थे।ह्व यह घटना कोई सनसनीखेज अपवाद नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गहरी और अनदेखी सामाजिक सच्चाई का संकेत है। उस किशोरी ने स्वीकार किया कि महंगे फोन, रिचार्ज, आउटिंग और कूल लाइफस्टाइल की चाह में वह कई लड़कों के साथ फ्रेंड विद बेनिफिट जैसे संबंधों में रही। उसके शब्द सिर्फ एक लड़की की व्यक्तिगत त्रासदी न होकर उस परिघटना का रूपक हैं जो भारत के 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग में तेजी से आकार ले रही है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2023 के आंकड़ों के अनुसार नाबालिगों पर होने वाले यौन अपराधों में अधिकांश अपराधी परिचित होते हैं। इनमें मित्र, पड़ोसी, रिश्तेदार, ऑनलाइन साथी और स्कूल-कॉलेज के परिचित शामिल रहते हैं। यह एक असहज सत्य की ओर संकेत करता है कि खतरा किसी बाहरी व्यक्ति से नहीं, बल्कि बच्चों की उसी दुनिया से आता है जिसे हम सुरक्षित मानते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्षों में भी यह संकेत मिलता है कि शहरी भारत में किशोरियों के शारीरिक संबंधों की प्रथम आयु 13 से 15 वर्ष के बीच खिसक रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण एशिया अध्ययन के अनुसार 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग की बड़ी संख्या में लड़कियां इंटरनेट आधारित यौन सामग्री देखती हैं और वेब सीरीज तथा सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर संबंध बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ये तथ्य बताते हैं कि यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संरचनात्मक और बहुस्तरीय है। आज का किशोर भौतिक संसार से कम और वर्चुअल संसार से अधिक प्रभावित है। इंस्टाग्राम, रील्स, ओटीटी और डेटिंग एप्स अब मनोरंजन के साधन नहीं रहे, बल्कि किशोर मन की संरचना को प्रभावित करने वाले प्रमुख माध्यम बन चुके हैं।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अध्ययन बताते हैं कि 13 से 17 वर्ष की आयु में मस्तिष्क का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पूरी तरह विकसित नहीं होता। इसी कारण आवेग नियंत्रण कम रहता है और जोखिम लेने की प्रवृत्ति अधिक होती है। जब ऐसे मस्तिष्क पर रोज डिजिटल उत्तेजना की बाढ़ पड़ती है, तो परिणाम सीमाओं के टूटने, नैतिकता के धुंधलाने और जोखिमपूर्ण संबंधों के सामान्यीकरण के रूप में सामने आते हैं। लगातार मिल रहे लाइक्स, व्यूज और मैसेज किशोरों के मन में त्वरित संतुष्टि की आदत पैदा करते हैं और धीरे-धीरे रिश्ते अनुभव, शरीर वस्तु और सीमाएँ पुरानी अवधारणाएँ बनती जाती हैं। यही वह डिजिटल सबवर्शन है जो पहले मन को प्रभावित करता है और फिर व्यवहार को अपने वश में कर लेता है।

परिवार की भूमिका भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण हो गई है। शहरों में कई माता-पिता यह मान बैठे हैं कि बच्चों को महंगी सुविधाएँ देना ही पालन-पोषण का अंतिम रूप है, जबकि सुविधा देना और उपस्थित रहना दोनों अलग बातें हैं। जब संवाद कम हो जाता है तो उसके स्थान पर पीयर ग्रुप, इन्फ्लुएंसर संस्कृति, ओटीटी की कहानियां और सोशल मीडिया की छवियां बच्चों के मूल्य तय करने लगती हैं। जब 15 वर्ष का बच्चा महंगा फोन लिए घूमता है और माता-पिता उसकी पृष्ठभूमि या स्रोत पर सवाल नहीं करते, तो यह अनदेखी आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बन सकती है। आज का परिवार प्रोवाइडिंग पेरेंटिंग की ओर झुक गया है, जहाँ धन उपलब्ध है लेकिन भावनात्मक उपस्थिति, मार्गदर्शन और मूल्य निर्माण का अभाव है। यही अनुपस्थिति बच्चों को डिजिटल जंगल में अकेला छोड़ देती है।

इस प्रवृत्ति का सबसे गहरा असर किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अनेक अध्ययनों में यह सामने आया है कि इस प्रकार की संबंध संस्कृति आत्मसम्मान में गिरावट, अवसाद, चिंता, इमोशनल नंबनेस, सेल्फ वर्थ के टूटने और आइडेंटिटी क्राइसिस जैसी स्थितियाँ पैदा करती है। धीरे-धीरे संबंधों का एक लेन-देन मॉडल विकसित होने लगता है, जहाँ किशोरियां स्वयं को वस्तु की तरह देखने लगती हैं। किसी किशोरी का यह न जान पाना कि गर्भ किससे है, ये सिर्फ असावधानी नहीं बल्कि भावनात्मक विखंडन की चरम अवस्था को दशार्ता है, जहाँ शरीर, भावनाएँ और पहचान एक-दूसरे से कटने लगते हैं।

उपभोक्तावाद ने भी इस स्थिति को गहराई दी है। बाजार ने किशोरों को अपना सबसे बड़ा उपभोक्ता वर्ग बना लिया है। उनकी असुरक्षाओं को लक्ष्य बनाकर उन्हें यह विश्वास दिलाया जाता है कि उनकी कीमत महंगे फोन, फैशनेबल कपड़ों और सोशल मीडिया लाइक्स में छिपी है। जब पहचान वस्तुओं के सहारे बनने लगती है, तब शरीर, संबंध और नैतिकता भी बाजार की मुद्रा में बदल जाते हैं। यह उपभोक्तावाद का वह चेहरा है जो आधुनिक किशोरावस्था को भीतर तक प्रभावित कर रहा है।

फ्रेंड विद बेनिफिट जैसी अवधारणाएँ पश्चिमी समाज में भी विवादित रही हैं और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानी गई हैं, लेकिन भारत में यह प्रवृत्ति बिना किसी सांस्कृतिक फिल्टर, पारिवारिक संवाद या स्कूल आधारित मार्गदर्शन के प्रवेश कर गई। इसका टकराव भारतीय सामाजिक संरचना से होकर रिश्तों के विघटन, सामूहिकता के क्षरण और मूल्य संक्रमण के रूप में सामने आ रहा है।

यदि 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग में भावनात्मक टूटन, डिजिटल लत, यौनिक प्रयोगशीलता और नैतिक भ्रम इसी तरह बढ़ते रहे, तो इसका असर भविष्य के कार्यबल, सामाजिक स्थिरता, मानव संसाधन और सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा। यह तो सभी स्वीकारेंगे ही कि राष्ट्र की शक्ति उसकी संख्या में न होकर उसकी युवा पीढ़ी की मानसिकता, अनुशासन और मूल्य संरचना में निहित होती है। यदि वही पीढ़ी दिशाहीन हो जाए, तब राष्ट्र की ऊर्जा भी दिशाहीन हो जाती है।

समाधान किसी एक संस्था के पास नहीं है, बल्कि यह चार स्तंभों के संयुक्त प्रयास से ही संभव है। परिवार में डिजिटल पेरेंटिंग को आवश्यक बनाना होगा, जहाँ फोन देना और निगरानी दोनों साथ हों। संवाद की पुनर्स्थापना हो और प्रतिदिन कुछ समय परिवार एक साथ बैठकर बातचीत करे। किशोरियों को सेल्फ वर्थ, सीमाएँ और स्वस्थ संबंधों के मूल्य सिखाए जाएँ। विद्यालयों में डिजिटल नैतिक शिक्षा और आयु-उपयुक्त सुरक्षा संबंधी वार्ता हो, साथ ही प्रशिक्षित काउंसलर्स की नियुक्ति भी की जाए। सरकार को एडल्ट प्लेटफॉर्म्स और डेटिंग एप्स पर कड़े आयु सत्यापन लागू करने चाहिए और ओटीटी पर किशोर संवेदनशील रेटिंग को प्रभावी बनाना चाहिए।

इसके साथ ही समाज स्तर पर जागरूकता अभियान, संवाद मंच और माता-पिता-किशोर कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए, ताकि मूल्य निर्माण की प्रक्रिया फिर से मजबूत हो सके। आज यह स्थिति एक चेतावनी है। बच्चे भारत की वर्तमान नींव हैं। उन्हें सुरक्षित रखना, मानसिक रूप से सशक्त बनाना और मूल्य संपन्न बनाना ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

डॉ. बलबीर सिंह द्वारा मरीजों के लिए बेहतर देखभाल सेवाएं प्रदान करने में तेजी लाने के आदेश

मुख्यमंत्री सेहत योजना वित्तीय बोझ को बिल्कुल खत्म करके प्रति परिवार वार्षिक 10 लाख रुपये तक का नकद रहित इलाज कर रही है प्रदान: स्वास्थ्य मंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज सिविल सर्जनों और डिप्टी मेडिकल कमिश्नरों के साथ राज्य स्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए जहां राज्य सरकार के प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की समीक्षा की, वहीं प्राइमरी एवं सेकेंडरी स्वास्थ्य संभाल सेवाओं में सुधारों के अगले चरण की रूपरेखा बनायी। समीक्षा बैठक के दौरान मरीजों को देखभाल सेवा प्रदान करने, डिजिटल सुधारों, बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन और जिलों में सख्त निगरानी व्यवस्था पर जोर दिया गया। राज्य की मूलभूत स्वास्थ्य संभाल की रीढ़ की हड्डी के रूप में जाने जाने वाले आम आदमी क्लिनिकों पर प्रकाश डालते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य भर में 881 आम आदमी क्लिनिक कार्यशील हैं जहां बड़ी संख्या में मरीज इलाज करवाने के लिए आ रहे हैं।उन्होंने बताया कि पिछले महीने के दौरान ही इन क्लिनिकों में गर्भवती महिलाओं की आमद में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इन क्लिनिकों में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं के रूप में पहचाने गए मामलों की संख्या राज्य स्तर पर 29 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे शुरूआती चिकित्सा इलाज संभव हो रहा है और माताओं एवं नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा की जा रही है।डॉ. बलबीर सिंह ने घोषणा की कि जल्द ही 243 नए आम आदमी क्लिनिक स्थापित किए जाएंगे जबकि 308 उप स्वास्थ्य केंद्रों को आम आदमी क्लिनिकों के रूप में अपग्रेड किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि नई सेवाओं में नवजात एवं बाल देखभाल, रूटीन टीकाकरण और मुंह एवं प्रोस्टेट कैंसर के लिए स्क्रीनिंग शामिल होगी। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर रेफर करने के मामलों को घटाने और अधिक इलाज प्रदान करने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तरीय संस्थाओं को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। दवाइयों की उपलब्धता के बारे में बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने स्टॉक की कमी के प्रति जीरो टॉलरेंस बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि 14 जिलों ने आम आदमी क्लिनिकों पर

102 आवश्यक दवाइयों में से कम से कम 97 दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि स्टॉक में किसी भी प्रकार की कमी होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले हरेक मरीज को निर्धारित दवाइयां और जांच सेवाएं मुफ्त प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ई-औषधि और जिला स्तरीय डैशबोर्ड के द्वारा निगरानी में तेजी लायी जायेगी।

मुख्यमंत्री सेहत योजना की समीक्षा करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इस स्कीम के तहत प्रति परिवार सालाना 10 लाख रुपये तक का नकद रहित स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्कीम का उद्देश्य मेडिकल इमरजेंसी के दौरान परिवारों के वित्तीय बोझ को पूरी तरह कम करना है। उन्होंने सिविल सर्जनों को हिदायत की कि वे सूचीबद्ध अस्पतालों में निर्बाध रजिस्ट्रेशन और सेवाएं प्रदान करना सुनिश्चित करें ताकि कोई भी योग्य लाभार्थी इलाज से वंचित न रहे। उन्होंने अधिक से अधिक पहुंच सुनिश्चित करने और वित्तीय बोझ कम करने के लिए सी.एस.सी., आशा और पी.आर.आई. प्रतिनिधियों के साथ निकट समन्वय बनाने के लिए भी कहा। सम्मेलन के दौरान सतत विकास लक्ष्यों के तहत जच्चा-बच्चा मृत्यु दर में कमी, नवजातों के बचाव, टीकाकरण मुहिम और तपेदिक का पता लगाने संबंधी प्रगति का भी जायजा लिया।जच्चा-बच्चा मृत्यु दर के अनुपात में सुधार और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं का पता लगाने पर भी चर्चा की गई तथा साथ ही सटीक एच.एम.आई.एस. रिपोर्टिंग के लिए सख्त हिदायतें जारी की गईं। मीटिंग के दौरान सभी 23 जिलों में पंजाब स्टेमी और स्ट्रोक प्रोजेक्ट्स के विस्तार की भी समीक्षा की गई ताकि टेली ईसीजी गाइडेड थ्रोम्बोलिसिस और हब एवं स्पोक स्ट्रोक प्रबंधन को मजबूत किया जा सके। इमरजेंसी हालतों से निपटने और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए अछूत बीमारियों के लिए बेहतर स्क्रीनिंग और कैंसर की शुरूआती पहचान की महत्वता पर प्रकाश डाला गया। जिला प्रमुखों को परिणाम-मुखी दृष्टिकोण अपनाने की अपील करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि हरेक मरीज का समय पर इलाज और देखभाल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सिविल सर्जनों को स्वास्थ्य संस्थाओं का अचानक निरीक्षण करने और मरीजों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। सम्मेलन के दौरान प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) कुमार राहुल, पंजाब विकास आयोग के सदस्य अनुराग कुंडू, पीएचएसएससी के वाइस चेयरमैन विक्की घनौर, एन.एच.एम. के सचिव-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर घनश्याम थोरी, पीएचएसएससी के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित तलवार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के डायरेक्टर डॉ. हितिंदर कौर, स्वास्थ्य सेवाएं (परिवार कल्याण) की डायरेक्टर डॉ. अदिति सलारिया, डायरेक्टर (ई.एस.आई.) डॉ. अनिल कुमार गोयल, डायरेक्टर (पी.एच.एस.एससी.) डॉ. एस.जे. सिंह सहित विभाग के डिप्टी डायरेक्टर, सहायक डायरेक्टर और वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी शामिल हुए।

20,000 रुपये रिश्वत लेते कानूनगो के भाई परमिंदर सिंह को विजिलेंस ब्यूरो ने किया काबू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही अपनी मुहिम के दौरान सब-तहसील महतपुर, जिला जालंधर में तैनात कानूनगो जतिंदर सिंह के भाई परमिंदर सिंह को 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है।आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गुरु तेग बहादर नगर, नकोदर, जिला जालंधर के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

प्रवक्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता, जो एक किसान है और कार खरीद-फरोख्त का कारोबार भी करता है, ने गांव हरिपुर में 12 मरले का घर खरीदा था। चूंकि उसकी कोई सेल डीड नहीं बनाई गई थी, इसलिए एक सिविल मुकदमा दायर किया

गया, जिसका फैसला शिकायतकर्ता के पक्ष में आया। इसके बाद उस फैसले के खिलाफ अपील दायर की गई, जिसे माननीय अदालत ने खारिज कर दिया और अदालत के आदेशों की पालना करते हुए शिकायतकर्ता के पक्ष में सेल डीड दर्ज की गई।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि घर का कब्जा दिलाने के लिए उक्त कानूनगो को एक आवेदन दिया गया था। इस संबंध में कंप्यूटरीकृत हदबंदी के नाम पर शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये वसूले गए थे। इसके बाद कानूनगो द्वारा घर खाली करने के लिए एक नोटिस जारी किया गया। आरोपी कानूनगो जतिंदर सिंह ने घर का कब्जा दिलाने के लिए शिकायतकर्ता से तहसीलदार के नाम पर 1,00,000 रुपये रिश्वत मांगी।प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता द्वारा बार-बार अनुरोध करने के बावजूद कानूनगो ने तहसीलदार के नाम पर रिश्वत देने का दबाव बनाया। मौके पर ही 10,000 रुपये रिश्वत ले ली गई और बाकी रकम किश्तों में देने की बात तय हुई। शिकायतकर्ता ने अवैध रिश्वत मांगने संबंधी पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली। प्रवक्ता ने खुलासा किया कि आरोपी कानूनगो जतिंदर सिंह ने शिकायतकर्ता पर रिश्वत की अगली किश्त देने के लिए फिर दबाव डाला। चूंकि शिकायतकर्ता बिना रिश्वत दिए अपना काम करवाना चाहता था, इसलिए उसने विजिलेंस ब्यूरो रेंज जालंधर से संपर्क किया।उसकी शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने मुख्य आरोपी जतिंदर सिंह कानूनगो के भाई परमिंदर सिंह, जिसे रिश्वत लेने के लिए भेजा गया था, को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने 12 साल बाद बैलगाड़ी की दौड़ों की शुरूआत के साथ किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक-2026 का किया उद्घाटन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/ किला रायपुर (लुधियाना)

किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक-2026 मंगलवार को लुधियाना में बहुत उत्साह और धूमधाम के साथ शुरू हुआ, जो 12 साल के अंतराल के बाद प्रसिद्ध बैलगाड़ी की दौड़ों के पुनरुत्थान को दशार्ता है।

इन खेलों का उद्घाटन पंजाब के कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने गांव किला रायपुर के खेल स्टेडियम में किया। इन विश्व-प्रसिद्ध बैलगाड़ी की दौड़ों के फिर से शुरू होने से लोगों/दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। जिससे दर्शक पंजाब और बाहर से इस रोमांचक खेल को देखने पहुंचे, जो राज्य की ग्रामीण विरासत में गहराई से जुड़े हुये हैं।

विधायक जीवन सिंह संगोवाल और डॉ. के. एन. एस. कंग के साथ कैबिनेट मंत्री खुड्डियां ने बैल-गाड़ियों की दौड़ों के

सांस्कृतिक महत्व को उजागर करते हुए कहा कि यह पंजाब के ऐतिहासिक और पारंपरिक ग्रामीण जड़ों से मजबूत संबंध रखती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को पंजाब विधानसभा में ह्यजानवरों पर अत्याचार की रोकथाम (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 2025ह्ल को सर्वसम्मति से पारित और लागू करके इस पुनरुत्थान को संभव बनाने का श्रेय दिया, जिसने जानवरों के लिए सुरक्षा मानक पेश किए, कानूनी बाधाओं को दूर किया और इन बैलगाड़ी की दौड़ों को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ किया।

कैबिनेट मंत्री ने उम्मीद जताई कि किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक पंजाब भर में एक मजबूत खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने और राज्य के हर कोने से छिपी प्रतिभा को उजागर करने में मुख्य भूमिका निभाएगा। उन्होंने इन खेलों का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि ओलंपिक और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वालों के लिए नकद इनामों में काफी वृद्धि की गई है। इसके अलावा ओलंपिक पदक विजेताओं को पंजाब सिविल सेवाएं (पी.सी.एस.) और पंजाब पुलिस सेवाएं (पी.पी.एस.) में प्रतिष्ठित सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने पशु अस्पताल के लिए 30 लाख रुपये की ग्रांट की घोषणा की ताकि क्षेत्र में पशुओं के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

75 एम.जी.से ज्यादा वाले प्रीगाबालिन कैप्सूल और टैबलेट पर पूरी तरह पाबंदी :डी.सी. पूनमदीप कौर

जैतो। जिले में 75 एम.जी. से ज्यादा फॉमूर्लेशन वाले प्रीगाबालिन कैप्सूल और टैबलेट पर पूरी तरह बैन लगा दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर मैडम पूनमदीप कौर ने कहा कि इस दवा का इस्तेमाल कुछ गलत लोग नशे के तौर पर करते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के पंजाब को नशा-मुक्त बनाने के सपने को पूरा करने के लिए इन आदेशों का सख्ती से पालन करने के लिए ये आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इंडियन सिविल प्रोटेक्शन कोड 2023 के सेक्शन 163 के तहत इस दवा (75 एम.जी. से ज्यादा वाले प्रीगाबालिन) पर पूरी तरह बैन लगाया गया है। आदेशों में कहा गया है कि होलसेलर, रिटेलर, केमिस्ट, मेडिकल स्टोर मालिक, हॉस्पिटल फार्मासिस्ट और कोई भी दूसरा व्यक्ति बिना ओरिजिनल प्रिस्क्रिप्शन के प्रीगाबालिन 75 एम.जी. नहीं बेचेगा। इसके अलावा ऑर्डर के मुताबिक, बेचने वाले यह भी पक्का करेंगे कि वे प्रीगाबालिन 75 एम.जी. तक बेची गई टैबलेट और कैप्सूल का रिकॉर्ड रखें और यह पक्का करेंगे कि यह रिकॉर्ड खरीद और बिक्री के बिल के साथ रखा जाए। ओरिजिनल प्रिस्क्रिप्शन पर स्टैम्प, केमिस्ट/रिटेलर/ट्रेड का नाम, टैबलेट खरीदने की तारीख और टैबलेट की संख्या वगैरह भी लिखी होगी। इन ऑर्डर के मुताबिक, हर होलसेलर/रिटेलर/केमिस्ट, मेडिकल स्टोर मालिक और हॉस्पिटल के फार्मासिस्ट यह भी पक्का करेंगे कि खरीदने वाले ने ओरिजिनल प्रिस्क्रिप्शन पर यह दवा (प्रीगालाबीन 75 एम.जी.) पहले किसी दूसरी दुकान से न खरीदी हो। बेचने वाले यह भी पक्का करेंगे कि प्रिस्क्रिप्शन में लिखे दिनों से ज्यादा दिनों तक दवा कस्टमर को न दी जाए। ये ऑर्डर 8 अप्रैल, 2026 तक लागू रहेंगे। इमरजेंसी में, जिन मरीजों को सच में इस दवा की जरूरत है, उन्हें डिस्ट्रिक्ट रेड क्रॉस सोसाइटी के चलाए जा रहे मेडिकल स्टोर पर यह दवा देने की छूट दी गई है। ऑर्डर में सेक्रेटरी रेड क्रॉस को इस दवा की बिक्री का रिकॉर्ड रखने का आदेश दिया गया है।

पंजाब की शिक्षा व्यवस्था को नई बुलंदियों पर पहुँचाने के लिए अध्यापक मेले में 8 हजार से अधिक अध्यापक हुए शामिल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य के शैक्षिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बाबा बंदा सिंह बहादुर इंजीनियरिंग कॉलेज, फतेहगढ़ साहिब में दो दिवसीय ह्यअध्यापक मेला 2025-26ह्ल आयोजित किया गया। इस मेगा इवेंट में 8,000 से अधिक अध्यापकों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों को रचनात्मकता, तकनीक और शिक्षा शास्त्रीय उत्कृष्टता के एक जीवंत केंद्र में बदलना था।

इस समागम को राज्य के अध्यापक समुदाय की नवीनतम सोच का प्रमाण बताते हुए, पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, ह्यअध्यापक मेला पारंपरिक कक्षा शिक्षा में बदलाव लाने और एक गतिशील मंच प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था जहाँ

शिक्षा शास्त्र में नवाचार को शामिल किया जाता है। हमारे अध्यापकों को पारंपरिक तरीकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए उत्साहित करके, हम सीधे तौर पर पंजाब के हर बच्चे के भविष्य में निवेश कर रहे हैं। समागम के दौरान दिखाई गई ऊर्जा और रचनात्मकता इस बात का सबूत है कि पंजाब की शिक्षा व्यवस्था उत्कृष्टता के एक नए युग की ओर बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मंत्री ने कहा, अध्यापक देश के भविष्य के निमार्ता हैं। स. बैंस ने बताया कि इस अध्यापक मेले के दौरान राज्य के सभी जिलों के विषय अध्यापकों ने दस विभिन्न श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान अत्याधुनिक शिक्षण ऐप्स और आईटी टूल विकसित करने से लेकर वन-एक्ट नाटकों से उपस्थित लोगों का मनोरंजन करने और बेहतर माइक्रो-टीचिंग तकनीकों का प्रदर्शन करने तक, विशिष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। अन्य श्रेणियों में मनोरंजक गतिविधियाँ जैसे पहेलियाँ और क्विज, विशेष शिक्षा किट्स, हस्तलिखित और कैलीग्राफी, हस्तनिर्मित मॉडल और फ्लैशकार्ड तथा सीखने के लिए तैयार किए गए मैनुअल और वीडियो गेम्स, विषय के ज्ञान को वास्तविक जीवन में अपनाना शामिल था।

उन्होंने बताया कि इस दौरान ब्लॉक स्तर पर 8,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिसमें से प्रत्येक ब्लॉक से शीर्ष दो स्थान प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को जिला स्तर पर मुकाबले के लिए चुना गया। फिर प्रत्येक श्रेणी के बेहतर प्रदर्शन करने वालों ने फतेहगढ़ साहिब में आयोजित राज्य स्तरीय फाइनल में भाग लिया। विजेताओं को शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण और नवाचारपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए प्रमाण पत्र, ट्रॉफियाँ और विशेष संग्रह के साथ सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त-समाचार

जेईई मेन 2026 में श्री चैतन्य इंस्टिट्यूट चंडीगढ़ के शानदार नतीजे

चंडीगढ़। श्री चैतन्य इंस्टिट्यूट ने एक बार फिर जेईई मेन 2026 में शानदार परिणाम हासिल किए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, चंडीगढ़ के दो जेईई मेन टॉपर्स ह्न कपिश मित्तल और आदित्य गुप्ता ह्न श्री चैतन्य के विद्यार्थी हैं। श्री चैतन्य चंडीगढ़ ने जेईई मेन 2026 में शहर के दो शीर्ष प्रतिभाशाली छात्रों को तैयार कर अपनी उपलब्धियों में एक और मील का पत्थर जोड़ दिया है। कपिश मित्तल और आदित्य गुप्ता ने निरंतर मेहनत, स्ट्रांग कॉन्सेप्चुअल क्लैरिटी और विशेषज्ञ मार्गदर्शन में अनुशासित तैयारी के माध्यम से अखिल भारतीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किए। एक अन्य छात्र यजत मित्तल ने फिजिक्स और मैथेमेटिक्स में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त किया है। कपिश मित्तल ने कहा कि मैं अपने माता-पिता और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन के लिए आभारी हूं। परीक्षा जैसे वातावरण में अभ्यास और निरंतर रिवीजन ने मुझे आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद की। आदित्य गुप्ता ने कहा कि श्री चैतन्य में अनुशासित शेड्यूल और सहयोगी शिक्षकों ने मेरी तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जय माता किन्नर मंदिर सेक्टर 26 में पूणार्हुति के साथ सम्पन्न हुआ शतचण्डी महायज्ञ पाठ

चंडीगढ़। जय माता किन्नर मंदिर, सेक्टर 26 में आज मंगलवार, 17 फरवरी को शतचण्डी महायज्ञ पाठ पूणार्हुति के साथ सम्पन्न हो गया। किन्नर मंदिर में 14 फरवरी से 17 फरवरी तक मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व आज भक्तिभाव और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। जय माता किन्नर मंदिर, बापूधाम कॉलोनी, सेक्टर-26, की पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर माँ कमलीनन्द गिरी जी महाराज श्री श्री किन्नर अखाड़ा चंडीगढ़ ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में 14 फरवरी से शुरू हुए शतचण्डी महायज्ञ पाठ की पूणार्हुति गणेश स्तुति और शिव महिमा के साथ हुई।पाठ की पूणार्हुति में 21 पंडितों ने भी पाठ किया जो कि 14 फरवरी से निरंतर जारी था। दिव्य आयोजन के अंतिम दिन 17 फरवरी 2026 को शतचण्डी पाठ पूणार्हुति के पश्चात माता का अभिषेक, विशेष आरती एवं अंत मे भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया।

लेज ने अपनी रिफ्रेश्ड ब्रांड आइडेंटिटी को लॉन्च करने का ऐलान किया

चंडीगढ़ ।पेप्सिको के पसंदीदा आलू चिप्स ब्रांड लेज ने भारत में अपनी रिफ्रेश्ड ब्रांड आइडेंटिटी को लॉन्च करने का एलान किया है। करीब 100 साल के इतिहास में सबसे बड़े ग्लोबल ब्रांड रिफ्रेश के तहत भारत में लेज के इस फ्रेश अवतार को ब्रांड एंबेसडर रणबीर कपूर के साथ नए कैंपेन लेज के लिए कुछ भी के माध्यम से पर्दे पर लाया जाएगा। कृषि के क्षेत्र में लेज की विरासत को केंद्र में रखकर तैयार इस रिफ्रेश्ड आइडेंटिटी में ब्रांड की उसी खूबी का जश्न मनाया जाएगा, जो ब्रांड की पहचान है। यह खूबी है - खेतों में उगाए गए सबसे फाइन आलू से बने चिप्स। खेत से पैकेट तक के सफर को ज्यादा जीवंत बनाने के लिए नए डिजाइन में हर पैक के पीछे की क्वालिटी और क्राफ्टमैनशिप को हाईलाइट किया गया है। यह क्वालिटी और क्राफ्टमैनशिप हमेशा से लेज की कहानी का हिस्सा रही है। इस ब्रांड रिफ्रेश को लेकर पेप्सिको इंडिया की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर - फूड्स साक्षी वर्मा मेनन ने कहा कि करीब एक सदी से लेज इस भरोसे पर कायम है कि हमारे शानदार स्वाद और प्रोडक्ट्स की शुरुआत खेतों से होती है। आज हमारे इतिहास के सबसे बड़े ग्लोबल रिफ्रेश के तहत हम इसी भरोसे को नए तरीके से भारत में अपने ग्राहकों के समक्ष ला रहे हैं।

आईआईएफएल फाईनेंस ने 2,000 करोड़ के बॉन्ड जारी किए

चंडीगढ़। देश की अग्रणी एनबीएफसी कंपनी आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड ने 2,000 करोड़ रुपये तक के रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी करने की घोषणा की है। पब्लिक इश्यू 17 फरवरी 2026 से खुलेगा। मूल इश्यू साइज 500 करोड़ रुपये है, जबकि 1,500 करोड़ रुपये तक के ओवरसब्सक्रिप्शन हेतु ग्रीन-शू विकल्प रखा गया है। निवेशकों को इन बॉन्ड्स पर अधिकतम 9 प्रतिशत वार्षिक प्रभावी रिटर्न मिलेगा। ये 24, 36 और 60 माह की अवधि के लिए उपलब्ध रहेंगे तथा ब्याज भुगतान मासिक, वार्षिक या परिपक्वता पर किया जाएगा।

महिलाओं के लिए 1100 रुपये प्रति माह की सहायता राशि भी आगामी बजट सत्र के दौरान शुरू कर दी जाएगी

विधायक कुलवंत सिंह ने चौथी बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत मोहाली निर्वाचन क्षेत्र से आज चौथी बस रवाना की गई। यह बस फेज-11 के वार्ड नंबर-16 स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से विधायक कुलवंत सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई। इससे पहले भी इस अभियान के तहत गुरुद्वारा सिंह सभा फेज-11 से श्रद्धालुओं का एक जत्था यात्रा कर चुका है। विधायक कुलवंत सिंह ने बताया कि यह बस श्रद्धालुओं को श्री दरबार साहब, दुर्गियाना मंदिर, जलियांवाला बाग, वाल्मीकि मंदिर, राम तीर्थ और वाघा बॉर्डर आदि के दर्शन करवाकर वापस मोहाली लाएगी और फिर से यह बस अन्य 40 यात्रियों को लेकर अमृतसर के लिए रवाना होगी।

विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने अन्य राज्यों की तुलना में सबसे पहले मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा चुनाव के दौरान दी गई गारंटियों और वादों को लगभग पूरा कर लिया गया है और महिलाओं के लिए 1100 रुपये प्रति माह की सहायता राशि भी आगामी बजट सत्र के दौरान शुरू कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक रोजाना लाखों मरीजों को राहत दे रहे हैं, 600 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है और शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए स्कूलों में स्टाफ की कमी को पूरा करने के साथ-साथ बच्चों को आधुनिक तकनीक सिखाने के लिए शिक्षकों को विदेश भी भेजा जा रहा है। इसके अलावा पंजाब को फिर से 'रंगला पंजाब' बनाने के लिए बड़े स्तर पर खेल मेले आयोजित किए जा रहे हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए विधायक ने बताया कि इस तीन दिवसीय और दो रातों की धार्मिक यात्रा के दौरान आने-जाने के लिए मुफ्त एसी बसों की सुविधा, रहने के लिए एसी कमरे, तीन समय का खाना, चाय और स्नैक्स का प्रबंध सरकार द्वारा किया जाएगा। संगत की हर जरूरत का पूरा ध्यान रखा जाएगा और सहायता के लिए हर बस में एक सहायक और एक मेडिकल टीम भी मौजूद रहेगी। उन्होंने इसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सराहनीय कदम बताया, जिससे बुजुर्गों में काफी खुशी देखी जा रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राज्य के विकास की रफ्तार लगातार तेज हो रही है। इस अवसर पर पंजाब सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनी अहलूवालिया, स्टेट अवार्डी फूलराज सिंह हल्का कोऑर्डिनेटर, रणजीत सिंह ढिल्लों, अशोक कुमार, उपकार सिंह, जगदीश सिंह सराव, हरजीत सिंह, हरपाल सिंह, अमरजीत सिंह, निर्मल सिंह संधू, रघुवीर सिंह मान, कुलविंदर सिंह, करनैल सिंह, सुखविंदर सिंह, गुरजीत सिंह, केसर सिंह, रणजीत गरचा, जसवीर कौर, हरविंदर कौर और बलविंदर कौर भी उपस्थित थे।

आईसीजी और गुजरात एटीएस ने समुद्री सीमा पर 203 किलो क्रिस्टलाइन ड्रग बरामद किया

पकड़ी गई नाव को चालक दल के दो सदस्यों के साथ पोरबंदर लाया गया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस ने बीती रातभर ऑपरेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास मादक पदार्थ की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। पीछा करके पकड़ी गई नाव से संयुक्त टीम ने क्रिस्टलाइन कंटेंट के 203 किलो ड्रग्स बरामद किया, जो एक-एक किलो के पैकेट में था। पकड़ी गई नाव को चालक दल के दो सदस्यों के साथ आगे की जांच के लिए पोरबंदर लाया गया है।

आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने मंगलवार को बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर 16 फरवरी को रातभर भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात एटीएस के साथ मिलकर समुद्र में एक ऑपरेशन किया। गुजरात एटीएस से इनपुट मिलने के बाद कोस्ट गार्ड रीजन (उत्तर पश्चिम) में मल्टी मिशन पर तैनात आईसीजी जहाज को विदेशी नाव का पीछा करने के लिए डायवर्ट किया गया, जिस पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास मादक पदार्थ की तस्करी करने का शक था।

उन्होंने बताया कि घनी अंधेरी रात के बावजूद आईसीजी के जहाज ने इंसानी और टेक्निकल सर्विलांस के जरिए संदिग्ध नाव की पहचान की। पास आ रहे आईसीजी शिप को देखकर संदिग्ध नाव आईएमबीएल की ओर भागने लगी। इसके बाद शुरूआती दूरी के बावजूद पीछा करके स्पीड बोट को रोक लिया गया। नाव पर चढ़ने पर पता चला कि उस पर दो विदेशी क्रू मेंबर थे। नाव की अच्छी तरह से तलाशी ली गई, तो छिपाकर रखे गए एक-एक किलो के क्रिस्टलाइन कंटेंट के 203 पैकेट मिले, जिनके ड्रग्स होने का शक था। पकड़ी गई नाव को चालक दल के सदस्यों के साथ पोरबंदर लाया गया है। बरामद पदार्थ को केमिकल परीक्षण के लिए भेजा जाएगा।

सुकमा में 22 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
सुकमा

माओवादियों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिला में मंगलवार को 22 सक्रिय माओवादियों ने शासन की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति के तहत आत्म समर्पण किया है। यह जानकारी एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने दी।

सभी माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सुकमा में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में एक महिला माओवादी भी शामिल है, जो लंबे समय से संगठन से जुड़ी हुई थी।

एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने बताया कि नक्सल मुक्त अभियान बस्तर के तहत जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है। इससे माओवादी संगठन समाप्ति की ओर है। विकासात्मक कार्य सुदूर वनांचल क्षेत्र में पहुंचाया जा रहा है साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुकमा पुलिस द्वारा पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान संचालित किया जा रहा है। अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव से माओवादी संगठन कमजोर पड़ता जा रहा है। एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने बताया कि सुकमा जिले में सक्रिय 22 माओवादियों ने आज आत्म समर्पण किया। आत्मसमर्पण सभी माओवादियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रुपए की राशि सहायता राशि प्रदान की गई एवं शासन की अन्य योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में मिलिशिया कमांडर गोंचे हुंगा, मिलिशिया सदस्य बण्डी, माड़वी हांदा, हिडमा मड़कम नन्दा, मिलिशिया सदस्य, मड़कम रामा, मड़कम सोमड़ा मिडियाम आयता, मड़कम चैतु, माड़वी हुंगा, लक्ष्मी मुचाकी, गोंचे उर्फ मड़कम हुंगा , माड़वी दूला , कुंजाम केसा, वेको विज्जा, वेको हड़मा, मुचाकी सुक्का, माड़वी जोगा, मड़कम पाण्डू, नुप्पो देवा, भोगाम दसरू उर्फ सोना, सलवम लखमा, जगत उर्फ मुचाकी भीमा शामिल है।

बारामती विमान हादसे में एएआईबी ने कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से डेटा लेने के लिए सहायता मांगी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती हवाई अड्डे के पास 28 जनवरी को मौत होने के बाद विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने मंगलवार को महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। एएआईबी ने दुर्घटनाग्रस्त हुए 'लीयरजेट 45 विमान के कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) से डेटा प्राप्त करने के लिए विशेष सहायता मांगी है। बारामती में हुए लियरजेट 45 (वीटी-एसएसके) दुर्घटना की जांच को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि इस विमान में दो स्वतंत्र उड़ान रिकॉर्डर लगे हुए थे। दुर्घटना के दौरान दोनों रिकॉर्डर लंबे समय तक तीव्र गर्मी के संपर्क में रहे और आग से क्षतिग्रस्त हो गए। मंत्रालय के मुताबिक डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) को एएआईबी फ्लाइट रिकॉर्डर प्रयोगशाला में सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) की भी विस्तृत तकनीकी जांच चल रही है। डेटा पुनर्प्राप्ति में विशेष सहायता के लिए निमार्ता देश के मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि से संपर्क किया गया है।

मंत्रालय के मुताबिक एएआईबी एक व्यापक, निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित जांच सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्धारित तकनीकी और प्रक्रियात्मक प्रोटोकॉल का पूरी निष्ठा से पालन कर रहा है। ब्यूरो पारदर्शिता के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और जांच के उचित चरण में आगे की जानकारी साझा करेगा। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने सभी हितधारकों से अनुरोध किया है कि वे अटकलों से बचें और स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ने दें।

विश्व पुस्तक मेला 2027 में स्टॉल बुकिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली। विश्व पुस्तक मेला 2027 के लिए स्टॉल और खाली जगह की बुकिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण लिंक 16 फरवरी से एक्टिवेट हो गया है, जो 31 मार्च तक खुला रहेगा। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के मुताबिक विश्व पुस्तक मेला 16 से 24 जनवरी 2027 को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हॉल 2-6 में होगा। यह मेला केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में एनबीटी आयोजित कर रहा है। भारत व्यापार संवर्धन संगठन इसका सह-आयोजक और वेन्यू पार्टनर है। मेले के 54वें संस्करण में थीम पैवेलियन, चिल्ड्रंस पैवेलियन, ऑथर्स कॉर्नर, अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स कॉर्नर, सांस्कृतिक प्रोग्राम और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स जैसे खास प्रोग्राम होंगे। बी2बी एंगेजमेंट और राइट्स एक्सचेंज को बढ़ावा देने के लिए मेले के साथ-साथ सीईओ स्पीक, इंटरनेशनल पब्लिशिंग कॉन्फ्रेंस और नई दिल्ली राइट्स टेबल भी आयोजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि विश्व पुस्तक मेला पिछले पांच दशकों से प्रकाशन की दुनिया का एक बड़ा कैलेंडर इवेंट रहा है। भारत दुनिया भर में प्रकाशन के बड़े देशों में से एक है। एनडीडब्ल्यूबीएफ एग्ज़िबिटर्स को बिजनेस के मौके तलाशने, पुस्तकों का प्रचार करने और सह-प्रकाशन और अधिकारों पर बातचीत करने के लिए एक बड़ा मंच देता है।

एआई से स्वास्थ्य क्षेत्र में आएगा बड़ा बदलावः अनुप्रिया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

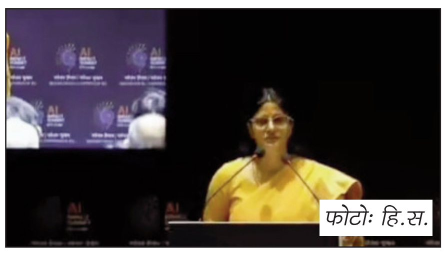
फोटोः हि.स.

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को कहा कि भारत की विशाल एवं विविध जनसंख्या ग्रामीण-शहरी विभाजन और संक्रामक एवं गैर-संक्रामक बीमारियों का दोहरा बोझ देश के सामने बड़ी चुनौती है।

इससे निपटने के लिए तकनीक का इस्तेमाल बेहद जरूरी है और भारत ने अपने राष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का व्यापक एकीकरण किया है। अनुप्रिया पटेल ने यहां भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' से पहले आयोजित विशेष सत्र में कहा कि एआई को केवल तकनीक अपनाने के रूप में नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे देश की विशिष्ट चुनौतियों का रणनीतिक समाधान माना जा रहा है। आज स्वास्थ्य क्षेत्र की पूरी शृंखला में एआई का इस्तेमाल हो रहा है। बीमारी की निगरानी से लेकर रोकथाम, जांच और इलाज तक एआई बहुत ज्यादा कारगर है। एआई स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था में एआई का इस्तेमाल कई स्तरों पर हो रहा है। बीमारी की शुरूआती पहचान, समय पर रोकथाम, सटीक जांच और बेहतर इलाज के लिए एआई आधारित उपकरण काम कर रहे हैं। एआई से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ रही है और यह ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई को कम करने में भी मदद करेगा।

अनुप्रिया पटेल ने कहा कि एआई आधारित रोग निगरानी प्रणाली से बीमारियों का फैलाव पहले ही पकड़ में आ जाता है। इसी तरह एआई से जांच और निदान तेज और सटीक हो रहा है। इलाज के दौरान एआई डॉक्टरों को बेहतर निर्णय लेने में मदद कर रहा है। भारत की स्वास्थ्य चुनौतियों को देखते हुए एआई का इस्तेमाल केवल विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में स्वास्थ्य क्षेत्र की मजबूती बेहद जरूरी है और एआई इसमें अहम भूमिका निभा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

अडाणी समूह एआई सक्षम डेटा केंद्र विकसित करने के लिए 100 अरब डॉलर निवेश करेगा

नई दिल्ली। अडाणी समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित अत्याधुनिक एआई सक्षम डेटा केंद्रों को 2035 तक विकसित करने के लिए 100 अरब अमेरिकी डॉलर (9 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा। अडाणी समूह ने मंगलवार को नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित अत्याधुनिक एआई सक्षम डेटा केंद्रों को विकसित करने के लिए अगले 9 साल यानी 2035 तक 100 अरब यूएस डॉलर का निवेश करने की घोषणा की। यह दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत एनर्जी-कंप्यूट प्रतिबद्धताओं में से एक है। समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने बयान में कहा कि इस पहल से सर्वर निर्माण, क्लाउड मंच एवं सहायक उद्योगों में अतिरिक्त 150 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होने की उम्मीद है। इससे भारत में 250 अरब डॉलर का अनुमानित एआई अवसंरचना परिवेश तैयार होगा। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि दुनिया एक ऐसी बुद्धिमत्ता क्रांति में प्रवेश कर रही है, जो पिछली किसी भी औद्योगिक क्रांति से कहीं अधिक गहन है। ऊर्जा एवं कंप्यूटर के बीच सामंजस्य स्थापित करने में निपुण राष्ट्र ही आने वाले दशक को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि भारत नेतृत्व करने के लिए अद्वितीय स्थिति में है। गौतम अडाणी ने कहा कि अडाणी समूह में हम डेटा केंद्रों और हरित ऊर्जा में अपनी मजबूत नींव पर काम करते हुए भारत की प्रौद्योगिकी संप्रभुता पर केंद्रित पांच स्तरीय एआई ढांचे में विस्तार कर रहे हैं। एआई युग में भारत केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा। हम बुद्धिमत्ता के विनिमार्ता, विकासकर्ता एवं निर्यातक होंगे और हमें उस भविष्य में भागीदार होने पर गर्व है।

प्रॉपर्टी डीलर और शेयर ट्रेडर्स कारोबारी से 1.5 करोड़ की ठगी

जोधपुर। शहर के एक प्रॉपर्टी डीलर और शेयर ट्रेडर्स कारोबारी से शातिरों ने 1.5 करोड़ की ठगी कर ली। लुटेपिटे ट्रेडर्स ने अब शास्त्रीनगर थाने में रिपोर्ट दी है। जिस पर पुलिस ने अब जांच आरंभ की है। पीड़ित ने तीन कंपनियों का नामजद किया है। यह फर्जी है अथवा सही है इसका पता जांच के बाद ही चल पाएगा। शास्त्रीनगर पुलिस ने बताया कि पाल रोड पर सुभाष नगर स्थित सुभाष विहार में रहने वाले लीलाधर खत्री पुत्र सोहनराज खत्री ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह राजस्थान प्रॉपर्टी डीलरऔर शेयर बाजार में ट्रेडिंग का काम करता है। 15 अक्टूबर 25 वह अपने फेसबुक आईडी चला रहा था। तब उसने फायर्स सिक्योरटीज के नाम कं पनी का विज्ञापन देखा था, जोकि खुद को सेबी से कनेक्ट और शेयर बाजार में अच्छे रिटर्न की बात कह रही थी। इस पर बाद में उसके द्वारा ग्रुप को जाइंन किया गया और एक महिला नैना वर्मा जिसने खुद को कंपनी का सहायक बताया था और कॉल किया। उसने बातों में उलझाने के साथ इंवेस्टमेंट के नाम पर बात की। उसने फिर सर्विस मैनेजर विक्रम नायर से बात करवाई। इनकी बातों में आकर उसने 75 लाख 85 हजार 820 रूपए इंवेस्ट कर दिए। जोकि बाद में मुनाफ के तौर पर 9 करोड़ 33 लाख 65 हजार रूपए बता रहे थे। मगर इन रूपयों को विड्राल करने के लिए उसे 1.95 लाख रूपए मांगे गए। नैना वर्मा ने अपनी तरफ से 30 लाख और कंपनी की तरफ से 80 लाख रूपए खाते में डालना बताया। मगर 9 करोड़ विड्राल करने के लिए वापिस उक्त रकम को डालने को कहा गया। फिर उसने इधर उधर से कर रूपए उनके खाते में भिजवाए। 24 दिसम्बर को उसे ग्रुप से रिमूव कर दिया गया। इसी तरह एक अन्य शेयर ट्रेडिंग कं पनी वेंचुरा सिक्योरिटी ने भी फ्रॉड का शिकार बनाया और 5 नवंबर को 69.10 लाख रूपए इंवेस्ट कराए गए। यहां पर उसकी पहचान वृतिका आनंद से हुई थी जिसके बताए अनुसार रूपए इंवेस्ट किए गए थे। उसके द्वारा जमा कराई रमम को बाद में 5 करोड़ 42 लाख 802 रूपए दशार्या गया, मगर उन लोगों ने भी ठगी का शिकार बनाया।

कोई मैसेज नहीं मिला, ना ही लिंक क्लिक किया : क्रेडिट कार्ड से निकल गए 72 हजार

जोधपुर। शहर के प्रतापनगर स्थित देवी रोड चांदणा भाखर में रहने वाले एम्स कामक के केडिट कार्ड से हेराफे री किसी शातिर ने 72 हजार रूपए की निकासी कर डाली। उसके पास ना तो कोई फोन आया और ना ही किसी तरह का मैसेज। पीड़ित ने प्रतापनगर थाने में इस बाबत केस दर्ज कराया है। अग्रिम पड़ताल की जा रही है। प्रतापनगर थाने के एएसआई भजनीराम ने बताया कि देवी रोड चांदणा भाखर के रहने वाले भरत राव पुत्र मदनलाल राव ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसने एक निजी बैंक का क्रे डिट कार्ड ले रखा है और उसकी ब्रांच प्रतापनगर में आई है। वह एम्स सिक्योरिटी गार्ड में कार्यरत है। 16 फरवरी को उसके फोन ना तो कोई मैसेज आया और ना ही किसी प्रकार लिंक आया था। जिससे उसने कोई छेड़छाड़ की हो, फिर भी उसके बैंक खाते से 72 हजार रूपए क्रेडिट कार्ड के जरिए निकल गए। एएसआई भजनीराम ने बताया कि रूपए कहां और किस प्रपंच में निकाले गए है, इसका ब्यौरा जुटाया जा रहा है। अग्रिम जांच की जा रही है।

एसएसबी-एक्साइज की संयुक्त कार्रवाई में 144 लीटर नेपाली शराब जब्त, तस्कर फरार

सुपौल। 45वीं वाहिनी के कमांडेंट गौरव सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि सीमा चौकी रानीगंज एवं साहेबान के कार्यक्षेत्र से मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद दोनों चौकियों से विशेष नाका दल का गठन किया गया, जिसमें बिहार पुलिस एक्साइज विभाग की संयुक्त टीम भी शामिल रही। टीमों को चिन्हित स्थानों पर रवाना कर घात लगाकर निगरानी शुरू की गई। सीमा चौकी रानीगंज की टीम ने स्पर संख्या 380 से 330 के बीच तलाशी अभियान चलाया, जहां दो प्लास्टिक बोरियों से 90 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। वहीं साहेबान चौकी और एक्साइज विभाग की संयुक्त टीम ने स्पर संख्या 615 के पास सर्च अभियान के दौरान 54 लीटर शराब जब्त की। संदिग्ध तस्करों का पीछा किया गया, लेकिन वे अंधेरे और सीमा क्षेत्र का फायदा उठाकर नेपाल भागने में सफल रहे। जब्त शराब को कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अग्रिम कार्रवाई के लिए मध्य निषेध विभाग, सिमराही को सौंप दिया गया है। अभियान में एसएसबी के सहायक उप निरीक्षक अमृतलाल, मुख्य आरक्षी महेश चौधरी समेत अन्य जवानों तथा एक्साइज विभाग के निरीक्षक संजय कुमार प्रियदर्शी व कर्मियों की सक्रिय भागीदारी रही। एसएसबी की ओर से बताया गया कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है।

कोलकाता में अवैध रूप से रह रहे आवामी लीग के 6 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

फोटोः हि.स.

कोलकाता पुलिस ने केंद्रीय कोलकाता के एक होटल से छह बांग्लादेशी नागरिकों को वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से भारत में ठहरने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार सुबह यह जानकारी दी। सूचना के आधार पर पार्क स्ट्रीट थाना की टीम ने कॉलिन स्ट्रीट स्थित एक होटल में छापेमारी की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी युवक बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी आवामी लीग से जुड़े बताए जा रहे हैं। बताया गया है कि वीजा समाप्त होने के बाद वे अपने देश लौटने के बजाय कोलकाता में ही छिपकर रह रहे थे।

गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान आबिर हुसैन, मोहम्मद मामुन रशीद, मोहम्मद अलीमुन गाजी, आजम मोल्ला, फैजल अमीन और जायदुल इस्लाम के रूप में हुई है। इनमें आजम मोल्ला पेशे से गायक बताया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तारी के समय वह अपना गिटार साथ रखने की इच्छा जता रहा था और गाने की अनुमति भी मांग रहा था। सोमवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद सभी आरोपितों को बैंकशाल अदालत में पेश किया गया था, जहां न्यायाधीश ने उन्हें 27 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सभी आरोपितों की उम्र 25 से 35 वर्ष के बीच है और वे मुख्य रूप से बांग्लादेश के नोआखाली तथा टांगाइल क्षेत्र के निवासी हैं। पिछले वर्ष बांग्लादेश में अशांत स्थिति के कारण वे अलग-अलग समय पर चिकित्सीय वीजा लेकर कोलकाता आए थे। यहां आने के बाद वे एक-दूसरे के संपर्क में आए और विभिन्न होटलों में ठहरने लगे। कुछ ने स्थानीय स्तर पर काम की तलाश भी की। सूत्रों के अनुसार, नवंबर से इनके वीजा की अवधि समाप्त होना शुरू हुई और जनवरी तक सभी के वीजा पूरी तरह समाप्त हो चुके थे। इसके बावजूद वे बांग्लादेश लौटने को तैयार नहीं थे। लगभग सात दिन पहले वे कॉलिन स्ट्रीट के उक्त होटल में ठहरे थे, जहां से उन्हें गिरफ्तार किया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सजा की अवधि पूरी होने के बाद विधि सम्मत प्रक्रिया के तहत उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

ईवी की बिक्री में दुनिया में नेपाल दूसरे स्थान पर

काठमांडू। विद्युत वाहन (ईवी) बिक्री के मामले में नेपाल ने दुनिया में दूसरा स्थान हासिल किया है। वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर बिके ईवी कारों में नेपाल सबसे अधिक बिक्री करने वाले देशों में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पहले स्थान पर यूरोप का नॉर्वे रहा। नॉर्वे ने 2025 में नई गाड़ियों की कुल बिक्री में 97 प्रतिशत ईवी बेचकर दुनिया में पहला स्थान प्राप्त किया था। नेपाल वैश्विक स्तर पर दूसरे पायदान पर है। अनुमान के अनुसार 2025 में नेपाल में नई कारों की कुल बिक्री में 73 प्रतिशत हिस्सेदारी ईवी की रही, जबकि 2019 में यह आंकड़ा केवल 8 प्रतिशत था। 2019 और 2025 के बीच ईवी बिक्री के हिस्से की तुलना करें तो नेपाल में 2019 की तुलना में 2025 में ईवी कारों की बिक्री में तेज उछाल देखा गया है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी और एम्बर के आंकड़ों के अनुसार, ईवी में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन- दोनों शामिल हैं। नेपाल ने 2019 की तुलना में ईवी बिक्री में 61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इसी अवधि में फिनलैंड और डेनमार्क-दोनों ने 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हासिल की।

सम्राट चौधरी ने एआई इंपैक्ट समिट में बिहार स्टॉल का किया उद्घाटन

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यहां के भारत मंडपम में आयोजित एआई इंपैक्ट समिट परिसर में मंगलवार को बिहार स्टॉल का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह भी मौजूद रहे।

सम्राट चौधरी ने कहा कि आज हम विकसित भारत 2047 की कल्पना कर रहे हैं और इसे जमीन पर उतारने का समय आ गया है। बिहार सरकार ने उद्योगों के लिए अच्छी नीतियां बनाई हैं, वैश्विक क्षमता केंद्र और सेमीकंडक्टर कानून लागू किए हैं। इसी वजह से एआई से जुड़े लोगों का बिहार में स्वागत किया जाएगा। लोग बिहार आएं, सरकार एआई से जुड़कर इसका पूरा लाभ उठाएगी। यह बिहार के लिए ऐतिहासिक दिन है।

उन्होंने कहा कि एआई सम्मेलन बिहार के लिए नई शुरूआत है। सेमीकंडक्टर और उद्योग नीति के जरिए बिहार विभिन्न क्षेत्रों में नए ढांचे तैयार करेगा। इससे बिहार को कृषि, शिक्षा और तकनीक में एआई का पूरा फायदा मिलेगा।

नेपाल में मध्यमा मिथिला परिक्रमा का शुभारंभ

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल में धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की मध्यमा मिथिला परिक्रमा सोमवार से शुरू हुई। मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री कृष्णप्रसाद यादव ने धनुषा जिले के कचुरी स्थित मिथिला बिहारी मठ से भगवान राम-जानकी की पालकी को उठाकर परिक्रमा का शुभारंभ किया।यह यात्रा अगले दिन यानी मंगलवार को जनकपुरधाम पहुंची, जहां इसका स्वागत करने के लिए मुख्यमंत्री यादव पहले से ही मौजूद रहे। इस अवसर पर भगवान राम-जानकी की पालकी को जनकपुरधाम स्थित रत्नसागर मठ होते हुए जानकी मंदिर लाया गया। वहां से जनकपुर के विभिन्न मठ-मंदिरों की पालकियों को शामिल कर सामूहिक रूप से परिक्रमा शुरू की गयी। पालकी के पीछे पारंपरिक बाजा-गाजा और मौलिक मिथिला परिधान में सजे श्रद्धालु शामिल हुए।15 दिनों तक चलने वाली 120 किलोमीटर लंबी यह परिक्रमा हर वर्ष फाल्गुन कृष्ण अमावस्या से पूर्णिमा तक आयोजित होती है, जो 90 किलोमीटर नेपाल में और 30 किलोमीटर भारत में होकर गुजरती है। नेपाल-भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु के रूप में पहचानी जाने वाली यह परिक्रमा धनुषा, महोत्तरी तथा भारत के बिहार के दर्जनों धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों से होकर गुजरती है।मिथिला माहात्म्य के अनुसार मध्यमा मिथिला परिक्रमा की शुरूआत 18वीं शताब्दी से कुछ पहले हुई मानी जाती है। विष्णु पुराण के अंतर्गत वर्णित मिथिला माहात्म्य में मिथिला की तीन प्रकार की परिक्रमाओं का उल्लेख है। 'बृहत मिथिला परिक्रमा बहुत कम संत-महात्मा ही करते हैं। यह परिक्रमा बिहार की राजधानी पटना के निकट गंगा नदी के तट से शुरू होकर नेपाल के धौलागिरी पर्वत, हिमालय की गोद और कोशी नदी होते हुए पुनः गंगा तक के क्षेत्र तक जाती है। इसी तरह कल्याणेश्वर से शुरू होकर वहीं समाप्त होने वाली परिक्रमा को 'मध्यमा परिक्रमा' कहा जाता है।

महाशिवरात्रि भारत से पशुपतिनाथ मंदिर आए साधु संन्यासियों की हुई विदाई

शिव दर्शन को पहुंचे 4,000 से अधिक साधु-संत

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे नागा बाबा और अन्य साधुओं की मंगलवार को भेंट और दान देकर विदाई की गई है। गुठी संस्थान ने विदाई कार्यक्रम के लिए लगभग 30 लाख नेपाली रुपये का बजट आवंटित किया है।

साधु महाशिवरात्रि के लिए फाल्गुन कृष्ण एकादशी के दिन पशुपतिनाथ पहुंचे थे। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्रीधर सापकोटा ने बताया कि नेपाल के बाहर से आए 4,000 से अधिक अलग-अलग संप्रदायों के साधुओं को पशुपति क्षेत्र के विभिन्न स्थानों जैसे गोरखनाथ मठ, आर्यघाट के पार रामचंद्र मंदिर, भस्मेश्वर अखाड़ा और निर्मला अखाड़ा में ठहराया गया था। साधुओं के आगमन पर उन्हें लाल, नीले, सफेद, पीले और हरे रंग के कार्ड वितरित किए गए थे और उन्हीं कार्डों की श्रेणी के आधार पर दान दिया जा रहा है। संस्थान के अनुसार नेपाल से बाहर से आए साधुओं को नजदीकी सीमा तक यात्रा में सहायता के लिए दान राशि बढ़ाई गई है।

गुठी संस्थान के पूर्व उप-प्रशासक दीपक बहादुर पाण्डे के अनुसार फाल्गुन कृष्ण औंसी के दिन साधुओं को औपचारिक रूप से विदा करने की परंपरा सन् 1775 से चली आ रही है, जब जंग बहादुर के ज्येष्ठ पुत्र जगत जंग ने जगन्नाथ प्रकाशेश्वर गुठी की स्थापना की थी। इस परंपरा का निर्वहन गुठी संस्थान और पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट की ओर से अब भी किया जाता है। पहले नागा बाबा और अन्य साधुओं को थापाथली के कलमोचन घाट से भोजन कराकर विदा किया जाता था, क्योंकि मान्यता थी कि कोट हत्याकांड में मारे गए लोगों का दाह-संस्कार जिस स्थल पर हुआ, वहां से साधुओं की विदाई करने से दिवंगत आत्माओं को शांति मिलती है। अब यह परंपरा बंद कर दी गई है और वर्तमान में साधुओं को पशुपतिनाथ के पश्चिमी मुख्य द्वार से विदा किया जा रहा है।

दीपक बहादुर पाण्डे के अनुसार महाशिवरात्रि के लिए मंदिर परिसर के भीतर पांच दिन और बाहर चार दिन तक धूनी जलाए रखने के लिए 50 हजार किलोग्राम लकड़ी खरीदी गई, जिसकी लागत 7 लाख रुपये रही। पाण्डे के अनुसार कलमोचन घाट स्थित बैरागी, उदासी, संन्यासी और नाथ अखाड़ों में ठहरे नागा बाबा और साधुओं को भी आज दान देकर विदाई दी जा रही है। ट्रस्ट की कार्यकारी सदस्य शीला पंत ने बताया कि श्रेणी के अनुसार 101 से 5,001 नेपाली रुपये तक दान वितरित करने की तैयारी की गई है। इसके लिए ट्रस्ट ने 8 लाख रुपये आवंटित किए हैं। साधुओं को वर्ष भर मंदिर में अर्पित की गई रुद्राक्ष मालाएं भी प्रदान की जाएंगी।

एफआईएच प्रो लीग : होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

हार्दिक सिंह को कप्तानी, हरमनप्रीत टीम से बाहर, गोलकीपिंग और डिफेंस में अनुभव व युवा जोश

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट स्थित तस्मानिया हॉकी सेंटर में खेले जाएंगे।

फोटोः हि.स.

इस चरण में भारत के साथ स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी हिस्सा लेंगी। राउरकेला चरण में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबले खेलने के बाद अब भारतीय टीम की नजर होबार्ट में बेहतर प्रदर्शन करने पर है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण देखने को मिल रहा है। दो बार ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं, हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। राउरकेला चरण में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाले अमनदीप लकड़ा और मनमीत सिंह को भी टीम में जगह दी गई है। गोलकीपर की जिम्मेदारी सूरज करकेरा और मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार संभालेंगे। डिफेंस में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। इनके साथ अमनदीप लकड़ा, यशदीप सिवाच और पूवन्ना चंदूरा बॉबी जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं।

मिडफील्ड की अगुवाई कप्तान हार्दिक सिंह के साथ संजय, विवेक सागर प्रसाद और राज कुमार पाल करेंगे। इनके अलावा राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह और विष्णु कांत सिंह भी टीम का हिस्सा हैं। फॉरवर्ड लाइन में मनदीप सिंह, अभिषेक और शिलानंद लकड़ा जैसे स्थापित खिलाड़ी शामिल हैं। मनींदर सिंह की टीम में वापसी हुई है, जो 2022 एशिया कप और प्रो लीग 2022-23 तथा 2023-24 में टीम का हिस्सा रहे थे। अराइजित सिंह हुंडाल, आदित्य अर्जुन लालागे और अंगद बीर सिंह भी आक्रमण को मजबूती देंगे।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि राउरकेला में निराशाजनक परिणामों के बावजूद टीम ने कई महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं और अब हॉबार्ट चरण में बेहतर प्रदर्शन के साथ विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूत करना लक्ष्य है।

भारत की 24 सदस्यीय टीम (एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26, होबार्ट चरण)

गोलकीपरः सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार।

डिफेंडरः अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बॉबी।

मिडफील्डरः राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह (कप्तान), मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल।

फॉरवर्ड : अभिषेक, शिलानंद लकड़ा, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडाल, आदित्य अर्जुन लालागे, अंगद बीर सिंह, मनींदर सिंह।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स के लिए गुलमर्ग में सजेगा सपनों का मंच, खिलाड़ी तैयार

चार स्पधार्एं, 400 से अधिक खिलाड़ी शामिल

एजेंसी (हि.स.)

गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर)

बर्फ से ढकी ढलानों, देवदार के पेड़ों और पीर पंजाल की गुलाबी सुबह के बीच गुलमर्ग एक बार फिर देश के शीतकालीन खेलों का केंद्र बनने जा रहा है। 23 से 26 फरवरी तक यहां खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 का दूसरा चरण आयोजित होगा। इससे पहले पहला चरण 20 से 26 जनवरी तक लद्दाख में संपन्न हुआ था, जिसमें आइस स्केटिंग और हॉकी जैसे बर्फीले खेल खेले गए थे।

यह लगातार छठा वर्ष है, जब विंटर गेम्स का आयोजन गुलमर्ग में हो रहा है। इसी निरंतरता के कारण गुलमर्ग को 'भारत की विंटर स्पोर्ट्स कैपिटल' कहा जाने लगा है। गुलमर्ग चरण में स्की माउंटेनियरिंग, अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग (क्रॉस-कंट्री) और स्नोबोर्डिंग की कुल चार पदक स्पधाएं आयोजित होंगी। करीब 400 खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे, जिनमें सर्वाधिक संख्या अल्पाइन स्कीइंग में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व में खेलो इंडिया विंटर गेम्स को 'नए खेल आत्मविश्वास का प्रतीक' बताया था। उनका कहना था कि गुलमर्ग देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ियों को एक मंच पर लाता है, जहां भौगोलिक सीमाएं मिट जाती हैं और प्रतिभा एकजुट होती है। समुद्र तल से लगभग 8700 फीट की ऊंचाई पर तैयारी करना आसान नहीं है। जम्मू के अंकुश बाजाला कहते हैं, 'यहां सिर्फ पैरों की नहीं, फेफड़ों और धैर्य की भी ट्रेनिंग होती है।' जम्मू की कनिका शान मानती हैं कि खेलो इंडिया ने शीतकालीन खेलों को नई पहचान दी है। पुणे के ऋषि गुलहाने ऊंचाई के असर को स्वीकार करते हुए कहते हैं, 'पहले दो दिन मुश्किल होते हैं, लेकिन फिर यही चुनौती आपको और मजबूत बनाती है।' इंदौर के अतुल वैद गुलमर्ग को 'भारत का आल्प्स' बताते हैं।

नए खिलाड़ी भी दिखा रहे दम

हैदराबाद के यशवंत रेड्डी, जो पहले स्काइडाइवर रहे हैं, अब स्कीइंग में हाथ आजमा रहे हैं। केरल से आए मोहम्मद सिनान के लिए यह अनुभव जीवन बदलने वाला है। अंबाला के रोहित सनी कहते हैं कि स्टार्ट गेट पर खड़े होने का दबाव अलग ही होता है। मध्य प्रदेश के सौरभ साहू का मानना है कि इन खेलों ने देशभर में मानक ऊंचे किए हैं। वहीं हैदराबाद के अद्वित केसी रेड्डी गुलमर्ग को 'सपनों का मंच' बताते हैं। जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता खास मायने रखती है। 'यह हमारा घर है, यहां जीतने का अहसास अलग होता है,' कनिका शान कहती हैं। चार दिनों तक गुलमर्ग की ढलानों पर पदक की जंग होगी। सेना की टीम अपने टीम चैंपियनशिप खिताब का बचाव करेगी। कभी सिर्फ पर्यटन स्थल के रूप में पहचाना जाने वाला गुलमर्ग अब देश का प्रमुख शीतकालीन खेल केंद्र बन चुका है।

फोटोः हि.स.

युवराज समरा का ऐतिहासिक शतक टी20 विश्व कप में रचा नया कीर्तिमान

एजेंसी (हि.स.)

चेन्नई

कनाडा के सलामी बल्लेबाज युवराज समरा ने पुरुष टी20 विश्व कप में इतिहास रचते हुए सहयोगी देश के पहले खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है, जिन्होंने इस टूनार्मेंट में शतक जमाया। समरा ने मंगलवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ 58 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने चौका लगाकर तीन अंकों का आंकड़ा छुआ।

यह इस संस्करण का दूसरा शतक भी है। इससे पहले श्रीलंका के पाथुम निसांका ने पल्लेकेले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सैकड़ा जड़ा था।

युवराज समरा ने इससे पहले केवल 36 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था और फिर शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए शतक तक पहुंचे। 19 वर्ष और 141 दिन की उम्र में वह पुरुष टी20 विश्व कप इतिहास में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। समरा की इस पारी ने न केवल कनाडा क्रिकेट को नई पहचान दी, बल्कि सहयोगी देशों के खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का काम किया है। उनकी आक्रामक और निडर बल्लेबाजी ने बड़े मंच पर यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी भी देश की सीमाओं में बंधी नहीं होती। समरा ने 110 रनों की धमाकेदार शतकीय पारी खेली। उनकी इस शतकीय पारी की बदौलत कनाडा ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 173 का स्कोर खड़ा किया। हालांकि उनकी यह शतकीय पारी बेकार गई और न्यूजीलैंड ने केवल 15.1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया।

फोटोः हि.स.

महिला क्रिकेट: पाकिस्तान ने तीसरे टी20 में दर्ज की सांत्वना जीत

दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से श्रृंखला जीती

एजेंसी (हि.स.)

किम्बरली

किम्बरली में सोमवार देर रात खेले गए तीसरे अंतरराष्ट्रीय ट्वेंटी-20 मुकाबले में फातिमा सना के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 53 रन से हराकर जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज का समापन किया। हालांकि तीन मैचों की इस सीरीज पर मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से कब्जा जमाया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की शुरूआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली और गुल फिरोजा पहले ही दो ओवर में सस्ते में आउट हो गईं और टीम का स्कोर 10 रन पर दो विकेट हो गया। इसके बाद आयशा जफर (19) और सिदरा अमीन (26) ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए शुरूआती छह ओवर की अवधि समाप्त होने तक टीम को 46 रन पर दो विकेट तक पहुंचाया।

फोटोः हि.स.

लेकिन 61 रन पर चार विकेट और 73 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद पाकिस्तान दबाव में आ गया। ऐसे समय सना और आलिया रियाज ने छठे विकेट के लिए 45 गेंदों में 69 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। सना ने अंतिम ओवरों में आक्रामक रुख अपनाते हुए 30 गेंदों पर नाबाद 47 रन बनाए, जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल रहे। पारी के दौरान तीन बार रन आउट होने के बावजूद पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत भी खराब रही। सना ने पहले ही ओवर में ताजमिन ब्रिट्स को आउट किया और बाद में कप्तान लॉरा वोल्वाड्र्ट को भी पवेलियन भेज दिया। सादिया इकबाल ने मध्यक्रम को झकझोरते हुए तीन विकेट लेकर केवल 18 रन दिए। शुरूआती छह ओवरों के भीतर ही दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 36 रन पर चार विकेट हो गया।

नादिन डी क्लर्क (27) और एनेरी डर्कसन (30) ने पांचवें विकेट के लिए 50 रन जोड़कर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन 85 रन के स्कोर पर डर्कसन के रन आउट होते ही टीम फिर बिखर गई। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम पांच विकेट मात्र सात रन के भीतर गंवा दिए और पूरी टीम 16 ओवर और पांच गेंद में 91 रन पर सिमट गई। मैरीजान कैप बिना कोई गेंद खेले अस्वस्थ होने के कारण मैदान से बाहर चली गईं।

संक्षिप्त स्कोर

पाकिस्तान - 20 ओवर में 144 रन पर सात विकेट

दक्षिण अफ्रीका - 16 ओवर और पांच गेंद में 91 रन

पाकिस्तान ने यह मुकाबला 53 रन से जीता, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए प्रतिका रावल की भारतीय टीम में वापसी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले बड़ी राहत मिली है। चोट के कारण लंबे समय से मैदान से बाहर चल रहीं युवा बल्लेबाज प्रतिका रावल की टीम में वापसी हो गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार प्रतिका रावल ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपना पुनर्वास सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। उन्हें अक्टूबर 2025 में महिला विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी। प्रतिका को बांग्लादेश के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। सेमीफाइनल से पहले उनकी जगह शेफाली वर्मा को टीम में शामिल किया गया था। तब से प्रतिका ने कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला था और वह पूरी तरह फिट होकर अब टीम में लौटी हैं।

फोटोः हि.स.

24 फरवरी से शुरू होगी सीरीज

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 24 फरवरी से ब्रिस्बेन में शुरू होगी। दूसरा और तीसरा मुकाबला होबार्ट में खेला जाएगा, जबकि एकमात्र टेस्ट मैच पर्थ में आयोजित होगा।

ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरानी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), काश्वी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतिका रावल।

बादामी

एक झलक में पूरी कहानी

चट्टानी पहाड़ियों के बीच बसा कर्नाटक का ऐतिहासिक शहर बादामी यात्रियों को यादगार यात्रा के लिए आमंत्रित करता है। कभी चालुक्य वंश की राजधानी रहा बादामी अपनी रंगीन संस्कृति, अद्भुत वास्तुकला और समय की गूंजती कहानियों के लिए जाना जाता है। यहाँ के प्राचीन मंदिर, किले और ऐतिहासिक इमारतें पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। आप शक्तिशाली बादामी किला, सुंदर नक्काशी वाले मालेगिट्टी शिवालय और लोअर शिवालय देखेंगे, जहाँ से पूरे क्षेत्र का शानदार दृश्य दिखाई देता है। बादामी पुरातत्व संग्रहालय आपको पुराने समय की झलक दिखाता है, जबकि चट्टानों को काटकर बनाए गए बादामी गुफा मंदिर देवी-देवताओं की पौराणिक कथाएँ सुनाते हैं। मल्लिकार्जुन मंदिर और भूतनाथ मंदिर जैसे पवित्र स्थल शांति और भव्यता का अनुभव कराते हैं। घूमते हुए बनशंकरी मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा भी आपको आकर्षित करेगी। इन दर्शनीय स्थलों के साथ-साथ स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लें, जिनमें बादामी की विविध विरासत की खुशबू बसती है। इतिहास, आध्यात्म और प्रकृति के इस अनोखे संगम में डूब जाइए और बादामी को अपनी यात्रा की यादों में हमेशा के लिए बस जाने दीजिए।

प्रकृति और प्राचीन वास्तुकला के मिलन का अनुभव करें

कर्नाटक के शहर बादामी में पहले दिन की शुरूआत वहाँ के पारंपरिक व्यंजन का आनंद लेते हुए शुरू करें। थत्ते इडली के मुलायम स्वाद से, जिसे नारियल की चटनी के समृद्ध और मसालेदार स्वाद के साथ परोसा जाता है। इस स्वादिष्ट अनुभव का आनंद लेने के बाद, खुद को समय के गलियारों में लौटने के लिए तैयार करें। एक पहाड़ी की चोटी पर गर्व से स्थित बादामी किला शक्ति और वास्तुशिल्प उत्कृष्टता का प्रतीक है। इसके विशाल प्राचीर और सजीव प्रहरीदुर्ग से पूरी नगरी का दृश्य एक ऐतिहासिक मैप की तरह नीचे फैल जाता है। जब आप इस किले की घुमावदार गलियों और पत्थरों से बने रास्तों पर चलते हैं, तो हर मोड़, हर दीवार प्राचीन युद्धों की गाथाएँ, राजाओं और रानियों की कहानियाँ, और उन रणनीतिक दूरदर्शियों की याद दिलाती हैं जो कभी इन्हीं रास्तों पर चला करते थे। नीचे की ओर यात्रा करते हुए, लोअर शिवालय आपका इंतजार करता है, जो चालुक्य वंश की भगवान शिव के प्रति भक्ति का प्रतीक है। इसके अवशेष, हालांकि मौन हैं, प्राचीन अनुष्ठानों, प्रबल प्रार्थनाओं और कई युगों पुराने आध्यात्मिक मंत्रों की गूँज को जैसे अब भी अपने भीतर समेटे हुए हैं। अपने ऐतिहासिक अनुभव को और भी समृद्ध बनाएं बादामी पुरातत्व संग्रहालय, यह संग्रहालय बीते युगों का एक अमूल्य खजाना है, जिसमें चालुक्य काल की मूर्तियाँ, शिलालेख और अनेकों दुर्लभ वस्तुएँ संग्रहीत हैं। ये प्राचीन अवशेष केवल राजाओं और युद्धों की गाथाएँ नहीं सुनाते, बल्कि उस समय के दैनिक जीवन, कला और सांस्कृतिक उत्कर्ष की भी झलक प्रस्तुत करते हैं। यहाँ आकर आप इतिहास के उन पन्नों को महसूस कर सकते हैं जो समय के साथ कहीं दब से गए थे। जैसे-जैसे आपका दिन समाप्ति की ओर बढ़ता है मालेगिट्टी शिवालय किले की ओर रुख करें। ढलते सूर्य की सुनहरी रोशनी जब पूरे शहर और इस प्राचीन किले की प्राचीरों पर अपनी छाया बिखेरती है, तो वह दृश्य किसी कविता की तरह प्रतीत होता है।

रोमांचकारी दिन की शुरूआत

जैसे ही बादामी में आपका दूसरा दिन सुबह की रौशनी के साथ शुरू होता है, खुद को परंपरागत जोलदा रोटी से तरोताजा कीजिए। यह पारंपरिक रोटी, तीखे और स्वादिष्ट करी के साथ परोसी जाती है, जो आपके एक और रोमांचकारी दिन की शुरूआत को खास बना देती है। मल्लिकार्जुन मंदिर अपने खूबसूरती से तराशे गए स्तंभों और बारीक नक्काशी के साथ देवताओं, मिथकों और पौराणिक कथाओं की कहानियाँ सुनाता है, जो पत्थरों में हमेशा के लिए जीवित कर दी गई हैं। इस मंदिर का हर कोना किसी रहस्य को समेटे हुए लगता है और हर नक्काशी एक कहानी कहने को तैयार है। एक शांत टैंक के बगल में स्थित, भूतनाथ मंदिर यह दृश्य शांति की अनुभूति कराता है। मंदिर की अद्वितीय वास्तुकला, जो जल की सतह पर सुंदरता से प्रतिबिंबित हो रही है, एक शांतिपूर्ण चित्र उकेरती है और यह दशार्ती है कि बादामी का गहरा संबंध आध्यात्मिकता और प्रकृति की भव्यता से है। आपका अगला गंतव्य, प्रतिष्ठित बादामी गुफा मंदिर यह रहस्यमयता से भरा स्थल आकर्षित करता है। क्षेत्र के अनोखे बलुआ पत्थर से सावधानीपूर्वक तराशी गई ये गुफाएँ कला, इतिहास और आध्यात्म का एक पवित्र आश्रय हैं। जैसे ही आप इन गुफाओं के भीतर प्रवेश करते हैं, एक से एक अद्भुत मूर्तियाँ सामने आती हैं, जो हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म की कहानियाँ जीवंत करती हैं।

बनशंकरी मंदिर

इन नक्काशियों की कोमल कलात्मकता न सिर्फ धार्मिक आस्था को दशार्ती है, बल्कि उस युग की उत्कृष्ट शिल्पकला की ऊँचाइयों को भी प्रकट करती है। जैसे-जैसे शाम ढलती है, बनशंकरी मंदिर आपको एक शांतिपूर्ण विश्राम के लिए आमंत्रित किया जाता है। मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा में डूब जाइए और चाहें तो पारंपरिक मंदिर प्रसाद का स्वाद भी लीजिए। यह भोजन अक्सर गांव की महिलाओं द्वारा बड़े प्रेम और श्रद्धा से बनाया जाता है, जो बादामी की समृद्ध परंपरा, आतिथ्य और पाक-कला की अनुपम छवि प्रस्तुत करता है।

हरियाणा की कानून-व्यवस्था को देश में एक मॉडल के रूप में स्थापित करना सरकार का संकल्पः नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने पंचकूला स्थित कमांडो प्रशिक्षण केंद्र में स्वैट कमांडो कोर्स के छठे बैच के समापन समारोह को मुख्यातिथि के रूप में किया संबोधित

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारा संकल्प पुलिस बल को आधुनिक संसाधनों, बेहतर अवसंरचना और अत्याधुनिक प्रशिक्षण से सशक्त बनाकर हरियाणा की कानून-व्यवस्था को देश में एक मॉडल के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के आधुनिकरण पर 300 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है और 5500 नए पुलिस जवानों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को कमांडो प्रशिक्षण केंद्र पंचकूला में स्वैट कमांडो कोर्स के छठे बैच के समापन समारोह को मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस कोर्स में 88 जवानों, जिसमें 11 पी.एस.आई. और 77 अन्य रैंक के जवान शामिल हैं, को आधुनिक हथियारों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 85 लाख रुपये की लागत से निर्मित आभासी फायरिंग प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक फायरिंग प्रशिक्षण केंद्र आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण का ऐसा संगम है जो जवानों को वास्तविक परिस्थितियों का सटीक अनुभव प्रदान करेगा। यह केंद्र जवानों को बिना जोखिम के जटिल परिस्थितियों में अभ्यास का अवसर देगा, उनकी प्रतिक्रिया समय को बेहतर बनाएगा और उनकी फायरिंग सटीकता को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। इससे प्रशिक्षण अधिक प्रभावी, वैज्ञानिक और परिणामोन्मुख बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कमांडो ट्रेनिंग सेंटर पंचकूला की स्थापना वर्ष 1984 में की गई थी और 4 मार्च, 1985 से यहां औपचारिक रूप से कमांडो प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उस समय प्रदेश के समक्ष उभरती सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए इस केंद्र की परिकल्पना की गई थी, ताकि विशेष अभियानों के लिए उच्च प्रशिक्षित बल तैयार किया जा सके। लगभग 12 एकड़ क्षेत्र में फैला यह प्रशिक्षण केंद्र आज हरियाणा पुलिस की शौर्यगाथा का जीवंत अध्याय बन चुका है। यहां बेसिक कमांडो कोर्स से लेकर स्वैट कमांडो कोर्स सहित 12 प्रकार के विशेष पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। अब तक यहां से 25 हजार 700 जवान प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रदेश और देश की सेवा में समर्पित हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वैट कमांडो को संबोधित करते हुए कहा कि जब कोई जवान स्वैट कमांडो बनता है, तो वह केवल एक रैंक नहीं पाता बल्कि वह राज्य की सुरक्षा का सबसे सशक्त प्रहरी बन जाता है। उन्होंने कहा कि स्वैट कमांडो कोर्स के दौरान जवानों ने एंटी-टेरर ऑपरेशन, क्लोज क्वार्टर बैटल, ड्रोन ऑपरेशन, आईईडी हैंडलिंग और फायर फाइटिंग जैसी विशेष तकनीकों में दक्षता हासिल की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समय पारंपरिक अपराधों से आगे बढ़ चुका है। आतंकवाद, संगठित अपराध, साइबर-समर्थित हमले और ड्रोन आधारित खतरे जैसी चुनौतियां हमारे सामने हैं। ऐसे समय में स्वैट जैसी विशेष इकाई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि कमांडो ट्रेनिंग सेंटर पंचकूला, आने वाले समय में और भी नई तकनीकों से सुसज्जित होगा। यहाँ सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण, वर्चुअल रियलिटी मॉड्यूल और इंटर-एजेंसी संयुक्त अभ्यास को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। सरकार का प्रयास है कि हर जवान केवल शारीरिक रूप से नहीं बल्कि मानसिक और तकनीकी रूप से भी पूरी तरह सक्षम हो।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल के आधुनिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आधुनिक हथियार, बेहतर बुलेटप्रूफ उपकरण, संचार प्रणाली का सुदृढ़ीकरण, साइबर लैब की स्थापना और प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन, ये सभी कदम इसी दिशा में उठाए गए हैं। सरकार का लक्ष्य, हरियाणा की सुरक्षा व्यवस्था को देश में सर्वश्रेष्ठ बनाना है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए राज्य में शांति, सुरक्षा और कानून के राज को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वैट कमांडो कोर्स के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कमांडो को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में विभिन्न सुरक्षा उपकरणों और आभासी फायरिंग प्रशिक्षण केंद्र का अवलोकन किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पुलिस विभाग के कल्याण और सुधार के लिए सदैव तत्पर रहते है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच है कि पुलिस के जवानों का मनोबल कभी कम नहीं होना चाहिए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सीआईडी श्री सौरभ सिंह ने स्वैट कमांडो कोर्स पूरा करने वाले सभी जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि तीन महीने के कोर्स के दौरान जवानों को गंभीर परिस्थितियों से निपटने और कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान स्वैट कमांडो द्वारा वॉक अक्रॉस ड्रील, होस्टेज रैस्क्यू ऑपरेशन, योग, टाइल ब्रेकिंग, लाईव फायरिंग व अन्य साहसिक गतिविधियों का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) श्री अमिताभ ढिल्लो, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) श्री संजय कुमार, पुलिस आयुक्त पंचकूला श्री शिवास कविराज, आईजीपी (क्राइम) श्री राकेश आर्य, आईजीपी सिक्योरिटी श्री पंकज नैन, आईजीपी सीआईडी श्री अशोक कुमार, उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने हेतु स्वास्थ्य सचिव ने सिविल अस्पतालों का निरीक्षण किया

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

अस्पतालों के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और स्थानीय समुदायों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चंडीगढ़ प्रशासन के स्वास्थ्य सचिव श्री मनदीप सिंह बराड़ ने मनीमाजरा, सेक्टर-22 तथा सेक्टर-45 स्थित सिविल अस्पतालों का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना था, ताकि उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं आम जनता को स्थानीय स्तर पर ही सुलभ हो सकें और बड़े अस्पतालों में जाने की आवश्यकता कम हो।

दौरे के दौरान श्री मनदीप सिंह बराड़ ने मरीजों और चिकित्सा कर्मियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा तथा प्रदान की जा रही सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने, शल्य चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करने तथा उपलब्ध स्थान का भविष्य में बेहतर उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रशासन की सुलभ और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए स्वास्थ्य सचिव ने अधिकारियों को बुनियादी ढांचे के उन्नयन और सेवाओं में सुधार के लिए एक स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि समुदाय स्तर पर निवासियों को बेहतर सुविधा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। दौरे के दौरान डॉ. सुमन सिंह, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं; डॉ. सद्भावना, चिकित्सा अधीक्षक; डॉ. परमजीत सिंह, उप चिकित्सा अधीक्षक; तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

नगर निगम पंचकूला ने सेक्टर एवं बीट के अनुसार सफाई कर्मचारियों का विवरण ऑनलाइन किया अपलोड

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

जवाबदेही को सुदृढ़ करने और सेवा वितरण में सुधार के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण नागरिक-केंद्रित पहल के तहत, नगर निगम पंचकूला ने अपने सफाई कर्मचारियों की सेक्टर-वाइज और बीट-वाइज विवरण अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। यह सूची आमजन की आसान पहुँच के लिए ६६६.्रल्लूँ'४".ल्ल पर उपलब्ध है। जारी की गई जानकारी में प्रत्येक क्षेत्र में तैनात सफाई कर्मचारियों के नाम और उनकी संपर्क जानकारी शामिल है। इसमें डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में लगे कर्मचारी भी सम्मिलित हैं।

यह महत्वपूर्ण कदम नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार के मार्गदर्शन में उठाया गया है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं को नागरिकों के और अधिक निकट लाना तथा सफाई कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। इस पहल के तहत अब नागरिक सफाई सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी या डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण से संबंधित समस्या होने पर अपने सेक्टर/बीट के संबंधित असिस्टेंट सैनिटेशन इंस्पेक्टर या सुपरवाइजर से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

खास बात यह है की , यदि किसी शिकायत का समाधान फील्ड स्तर पर संतोषजनक ढंग से नहीं होता है, तो नागरिक त्वरित हस्तक्षेप और निस्तारण के लिए नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 9696494949 (फॉर कॉलिंग और व्हाट्सएप) और 9696120120 (फॉर कॉलिंग) पर भी संपर्क कर सकते हैं। यह सुव्यवस्थित एस्केलेशन तंत्र सुनिश्चित करता है कि कोई भी शिकायत अनदेखी न रहे और प्रत्येक मामले पर समयबद्ध कार्रवाई हो।

इस पहल से कार्यप्रणाली की तत्परता और फील्ड-स्तर पर निगरानी में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है, क्योंकि नागरिकों और सफाई अधिकारियों के बीच स्पष्ट संवाद से शिकायतों का शीघ्र समाधान संभव हो सकेगा। साथ ही, यह कदम लोगों को अपने क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी के लिए सशक्त बनाते हुए निगम की सहभागी शासन के प्रति प्रतिबद्धता को भी और मजबूत करता है।

माननीय प्रशासक की सलाहकार परिषद की पर्यावरण स्थायी समिति की दूसरी बैठक आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

माननीय प्रशासक की सलाहकार परिषद की पर्यावरण स्थायी समिति (एरउ) की दूसरी बैठक आज पर्यावरण भवन, सेक्टर 19-बी, चंडीगढ़ में ﬄल्ल उँल्ला ऋ्रस्त्र३, पूर्व अध्यक्ष, हरियाणा विधानसभा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान दिनांक 04.08.2025 को आयोजित पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही प्रतिवेदनों (अ३ङ्मल्ल ळं‍ल्ल फीस्त्रङ्म१३२) पर विस्तृत चर्चा की गई। निदेशक पर्यावरण, रं४ुँ ड४ं१, आईएफएस, ने समिति को यूटी चंडीगढ़ में ई-वेस्ट प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सहित विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

अपने विचार व्यक्त करते हुए उर्वशी गुलाटी, सेवानिवृत्त आईएएस (पूर्व मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार) ने ई-वेस्ट प्रबंधन के संबंध में जन-जागरूकता एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों पर विशेष बल देने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि जिम्मेदार निस्तारण सुनिश्चित हो सके तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाई जा सके। अपने संबोधन में श्री जियान चंद गुप्ता ने प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान हेतु एक व्यापक एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। विशेष रूप से ई-वेस्ट प्रबंधन, तृतीयक उपचारित जल के उपयोग, पॉलिथीन/प्लास्टिक कैरी बैग पर प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन तथा यूटी चंडीगढ़ में हरित एवं खुले क्षेत्रों के संरक्षण एवं संवर्धन पर ध्यान देने की बात कही।

उन्होंने सुझाव दिया कि कबाड़ीवालों (स्क्रैप डीलरों) का औपचारिक पंजीकरण किया जाए तथा उन्हें अपशिष्ट संग्रहण एवं पुनर्चक्रण गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने हेतु निर्धारित स्थान उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही बाजारों में रिवर्स वेंडिंग मशीनें स्थापित करने तथा कपड़े के थैलों को रियायती दरों पर उपलब्ध कराने की भी सिफारिश की, ताकि प्लास्टिक कैरी बैग के उपयोग को हतोत्साहित किया जा सके।

अध्यक्ष ने संबंधित विभागों को ई-वेस्ट एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को सुदृढ़ करने तथा पार्कों एवं उद्यानों में तृतीयक उपचारित जल के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी रणनीतियां तैयार करने के निर्देश दिए। समिति को प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रवाह एवं प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सभी संबंधित पहलुओं की समग्र समीक्षा कर तकनीकी सुझाव प्रस्तुत करने की सलाह दी गई। अपने समापन संबोधन में श्री गुप्ता ने चंडीगढ़ के समक्ष उपस्थित पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रभावी समाधान हेतु सभी हितधारकों के बीच समन्वित एवं सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

500 हिमवीरांगनाएं देश सेवा के लिए तैयार

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

प्राथमिक प्रशिक्षण केन्द्र, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (भानू) में 492वें कांस्टेबल/जीडी (रिक्रूट) महिला बैच की 29 राज्यों से आई 500 प्रशिक्षणार्थियों का दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में महानिदेशक, भा.ति.सी. पुलिस श्री शत्रुजीत सिंह कपूर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

महानिरीक्षक, बीटीसी श्री अशोक नेगी द्वारा मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया गया। समारोह में अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, संस्थान के पदाधिकारी, उनके परिवारजन तथा बड़ी संख्या में महिला प्रशिक्षणार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित रहे। परेड की कमान कांस्टेबल/जीडी (रिक्रूट) अटलकम मीनाक्षी (प्रथम वाहिनी) ने संभाली, जबकि कांस्टेबल/जीडी (रिक्रूट) दीक्षा भगोली (21वीं वाहिनी) को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी घोषित किया गया। श्री शत्रुजीत सिंह कपूर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला प्रशिक्षणार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बेसिक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई देते हुए कहा कि अब आप सभी इस बल के ह्यहिमवीरह्ण परिवार की प्रशिक्षित सदस्य बन गई हैं। आपको आईटीबीपी जैसे अनुशासित बल में देश सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है, जो अत्यंत गौरव की बात है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को आगे भी बनाए रखते हुए निरंतर सीखने का प्रयास करें।

प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा अभियान

7 दिवसीय 153 किमी कालका-कलेसर ट्रैक का दूसरा दिन उत्साहपूर्वक प्रारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 7 दिवसीय 153 किलोमीटर लंबी कालका से कलेसर ट्रैकिंग यात्रा का आज दूसरा दिन नेचर कैंप, थापली से उत्साह और जोश के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर युवा कल्याण सयोंजक नरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें पूरे 153 किलोमीटर लंबे कालकाझ्रकलेसर ट्रैक को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा इस प्रकार के साहसिक कार्यक्रम युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने बताया कि यह ट्रैकिंग कैंप विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होगा।

डिप्टी रेंज अधिकारी विजय नेहरा ने विद्यार्थियों के दल को ट्रैकिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने छात्रों को सुरक्षा मानकों का पालन करने, समूह में चलने तथा प्राकृतिक परिवेश का सम्मान करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति का निकट से अवलोकन करने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश अपने साथ ले जाने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि यह 7 दिवसीय ट्रैकिंग अभियान युवाओं में साहस, सहनशीलता एवं पर्यावरण चेतना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

राजकीय महिला महाविद्यालय पंचकूला, राजकीय महाविद्यालय पंचकूला एवं राजकीय महाविद्यालय लाडवा के विद्यार्थियों ने दो दिवसीय ट्रैकिंग कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय नेचर कैंप थापली ट्रैकिंग कार्यक्रम में राजकीय महिला महाविद्यालय पंचकूला, राजकीय महाविद्यालय पंचकूला तथा राजकीय महाविद्यालय लाडवा के विद्यार्थियों ने भी प्रकृति कैंप, थापली में आयोजित ट्रैकिंग गतिविधियों में उत्साहपूर्वक एवं अनुशासित ढंग से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए इन छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप साहस, टीम भावना और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का परिचय दिया।

विद्यार्थियों ने एक दिवसीय ट्रैकिंग में भाग लेकर प्रकृति के विविध आयामों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। ट्रैकिंग के दौरान उन्होंने जैव-विविधता, वन संपदा तथा प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का अवलोकन किया। इस अनुभव ने न केवल उनके शारीरिक एवं मानसिक सुदृढ़ीकरण में योगदान दिया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जागरूकता और प्रतिबद्धता को भी और अधिक सशक्त किया। युवा कल्याण सयोंजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि नेचर कैंप, थापली का यह दो दिवसीय ट्रैकिंग कार्यक्रम निरंतर 7 मार्च तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं क्रमबद्ध रूप से इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु पहुंचेंगे। विशेष रूप से ऐसे विद्यार्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी जो हरियाणा में अध्ययनरत हैं तथा देश के विभिन्न राज्यों से आकर यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, ताकि उन्हें प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, पर्यावरणीय विविधता एवं सांस्कृतिक परिवेश से अवगत कराया जा सके।

संक्षिप्त-समाचार

आज गांव खोल फतेह सिंह में किया जाएगा रात्रि ठहराव का आयोजन

पंचकूला। ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम के अंतर्गत 18 फरवरी को खंड पिंजौर के गांव खोल फतेह सिंह स्थित राजकीय प्राइमरी विद्यालय में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा गांव में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे तथा उनका समाधान करेंगे । कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा सूचना एवं सेवा स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से अधिकारी एवं कर्मचारी ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करेंगे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

साका ननकाना साहिब और गंगसर जैतो मोर्चा के शहीदों को श्रद्धांजलि समागम 21 को : हरमीत सिंह कालका

नई दिल्ली। सिख कौम की अमर शहादतों को नमन करते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने बताया है कि साका ननकाना साहिब और गंगसर जैतो मोर्चा के महान शहीदों की पावन स्मृति को समर्पित विशेष कीर्तन समागम शनिवार, 21 फरवरी 2026 को प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि साका ननकाना साहिब और गंगसर जैतो मोर्चा ने सिख इतिहास में कौम को धर्म, सिद्धांत और अडिगता की अमर प्रेरणा प्रदान की है। यह समागम शहीदों की अटूट आध्यात्मिक शक्ति और बलिदान को स्मरण करते हुए संगतों में गुरमत चेतना का प्रकाश फैलाने का केंद्र बनेगा। समागम के दौरान रागी जत्थों द्वारा रसपूर्ण गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से संगतों को नाम-बाणी से जोड़ा जाएगा तथा शहीदों की अमर विरासत पर विशेष विचार भी साझा किए जाएंगे। सरदार हरमीत सिंह कालका ने दिल्ली और आसपास की संगतों से अपील की है कि वे अपने परिवार सहित बड़ी संख्या में उपस्थित होकर गुरु घर की अनमोल खुशियाँ प्राप्त करें और शहीदों को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित करें।

आईटीआई सेक्टर-14 में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पंचकूला। भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत एम.एस.एम.ई-विकास कार्यालय, करनाल द्वारा आज पंचकूला सेक्टर-14 स्थित राजकीय आईटीआई में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक निदेशक श्री हरपाल सिंह द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की मुख्य विशेषताएँ, पात्रता, प्रशिक्षण, ऋण सुविधा तथा कारीगरों को उपलब्ध कराई जा रही तकनीकी एवं मार्केटिंग सहायता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना पारंपरिक कारीगरी को आधुनिकता और बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से बनाई गई है। इसके पश्चात तकनीकी सत्र आरंभ हुआ, जिसमें श्री आकाश शर्मा, गौरी कपूर ने उद्यमिता, कौशल-आधारित विकास तथा एमएसएमई क्षेत्र में उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला ब्रांडिंग एंड प्रोडक्ट पैकेजिंग, लेबलिंग और उपभोक्ता-उन्मुख डिजाइन की जानकारी प्रदान की गई। श्री अजय शर्मा, श्री सुनील धीमान एवम वीरेंदर रैना डोमेन एक्सपर्ट भी शामिल हुए। औद्योगिक विस्तार अधिकारी श्री रोहित टिंडल, जिला एमएसएमई केंद्र पंचकुला ने राज्य सरकार की योजनाओं एवं उद्योग स्थापना हेतु उपलब्ध विभिन्न प्रोत्साहनों की जानकारी दी। बैंकिंग सत्र में श्रीमति गजल शर्मा, एलडीएम फतेहाबाद ने लाभार्थियों को ऋण प्रक्रिया, ब्याज सहायता और डिजिटल बैंकिंग के महत्व के बारे में अवगत कराया। इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक से श्रीमति साक्षी मोत्रा ने टूल किट से जुडी समस्याओ और उनके समाधान की जानकारी दी। डिजिटल मार्केटिंग एवं उद्यमिता सत्र में सुश्री आरती कनिया, एमएसएमई-डीएफओ करनाल ने ऑनलाइन ब्रांडिंग, मिसो ऑन बोर्डिंग और ई-कॉमर्स से जुड़ने की तकनीक की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें लाभाथीर्यों ने उद्यमिता, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से संबंधित प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए।

चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी ने नवविवाहित जोड़ों के प्रोटेक्शन होम का किया औचक निरीक्षण

पंचकूला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी श्री अजय कुमार घनघस ने आज कालका में पुलिस स्टेशन कालका के निकट नवविवाहित जोड़ों के लिए स्थापित प्रोटेक्शन होम का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण न्यायालय के निर्देशों के तहत सुरक्षा चाहने वाले जोड़ों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं, रखरखाव तथा समुचित संचालन की समीक्षा के उद्देश्य से किया गया। श्री अजय कुमार घनघस ने निरीक्षण के दौरान प्रोटेक्शन होम के सभी कमरों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की जांच की। निरीक्षण के समय प्रोटेक्शन होम में कोई नवविवाहित जोड़ा निवासरत नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने सोने की व्यवस्था, स्वच्छता संबंधी सुविधाएं तथा सुरक्षा उपायों का परीक्षण किया ताकि आवश्यकता पड़ने पर कम समय में जोड़ों को सुरक्षित रूप से ठहराया जा सके। सीजेएम ने प्रोटेक्शन होम में रखे ऑफिसियल रजिस्टरों की जांच की तथा पूर्व में ठहरे जोड़ों, प्रदान की गई सुरक्षा अवधि एवं न्यायालय के आदेशों के अनुपालन से संबंधित प्रविष्टियों का भी सत्यापन किया।